RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः298, रविवार, 09 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

20 साल की एनडीए सरकार ने बिहार को दिया बेरोजगारी और पलायनः खेसारी लाल यादव... 03

विपक्ष के आरोपों पर गरजे चिराग, नित्यानंद राय और रूडीः बोले-बिहार में एनडीए की लहर 04

मोनोपॉज विषय पर समाज तोड़े चुप्पी काम्या 07

संसद का विंटर सेशन 1 से 19 दिसंबर तक

- 15 बैठकें होंगी, एसआईआर पर फिर हंगामे के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र (विंटर सेशन) 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन में पूरे सत्र के दौरान 15 बैठकें होंगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। इससे पहले 21 जुलाई से 21 अगस्त तक संसद का मानसून सत्र चला था। सत्र के पहले दिन राज्यसभा के तत्कालीन उपसभापति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। फिर

पूरा सत्र बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया था। मानसून सत्र में कुल 21 बैठकें हुईं। लोकसभा में 120 घंटे चर्चा का समय निर्धारित था, लेकिन सिर्फ 37 घंटे कार्यवाही चली। राज्यसभा में सिर्फ 41 घंटे चर्चा हुई। लोकसभा-राज्यसभा में कुल 27 बिल पास हुए। गिरफ्तार पीएम-सीएम को हटाने वाला संविधान संशोधन बिल सबसे चर्चा में रहा। इसे जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव पारित हुआ।

घाटी के कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश की गई नाकाम

- सेना की सख्ती, 2 आतंकियों को कर दिया ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम कर दिया। साथ ही, जवानों ने 2 अज्ञात आतंकवादियों को मारा गिराया है। सेना के श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने बताया कि खुफिया एजेंसियों से इनपुट मिला था। इसके आधार पर कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए अभियान शुरू किया गया। सेना ने एक्स पर पोस्ट

में कहा, सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी। इस दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। फिलहाल इलाके की तलाशी जारी है। वहीं, श्रीनगर में पुलिस ने शुक्रवार को तीन संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद जब्त कर आतंकी साजिश नाकाम कर दी गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ममता चौक, कोनाखान डलगेट के पास नियमित वाहनों की जांच चल रही थी।

पंजाब में खालिस्तानी टेरर ग्रुप से जुड़े दो लोग अरेस्ट

- इटली के मलकीत सिंह की बर्बर हत्या का भी खुलासा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब की अमृतसर ग्रामीण पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने राजासांसी में इटली निवासी मलकीत सिंह की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम बिक्रमजीत सिंह उर्फ बिक्रम और करण हैं। यह हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई थी। पुलिस लंबे समय से इन आरोपियों की तलाश में थी। मुख्य आरोपी बिक्रमजीत

सिंह आतंकवादी संगठन खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) से जुड़ा हुआ है। उसके खिलाफ पहले भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उस पर विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट जैसे संगीन मामलों में केस दर्ज हैं। खालिस्तानी आतंकी बिक्रमजीत सिंह 2018 में राजासांसी स्थित एक धार्मिक स्थल पर हुए ग्रेनेड हमले में भी शामिल था, जिसने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी थी। पंजाब पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि बिक्रमजीत विदेश में बैठे अपने हैंडलरों के इशारे पर पंजाब में बड़ी वारदातों को अंजाम देने की योजना बना रहा था। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि उसने पाकिस्तान से अवैध हथियार मंगवाए थे।

तेजी से बढ़ेगी ठंड; बारिश की भी चेतावनी

सावधान! 4-5 डिग्री और गिरने वाला है तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम तेजी से करवट ले रहा है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में निचले क्षोभमंडल स्तर पर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र सक्रिय है। हरियाणा, असम और कर्नाटक के आसपास के इलाके भी इसकी चपेट में हैं। इसके प्रभाव से तमिलनाडु में 8 से 9 नवंबर तक बारिश होगी। केरल और माहे में 8 से 10 नवंबर तक अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बरसात हो सकती है। गरज के साथ बौछारें पड़ने की भी संभावना है, जिसमें कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। राजस्थान, पंजाब, जम्मू, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम बना हुआ है। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में यह सामान्य से 2-5 डिग्री सेल्सियस कम है। अगले 6-7 दिनों

तक उत्तर-पश्चिम और इससे सटे मध्य भारत के मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-5 डिग्री कम रहने का अनुमान है। आगामी 48 घंटों में मध्य और पश्चिम भारत के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट संभव है। इसके बाद 4-5 दिनों तक कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। पूर्वी भारत में अगले 3 दिनों में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के बाद अगले 3-4 दिनों में कोई खास बदलाव नहीं होगा। जम्मू-कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में रात का तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में मौसम की सबसे सर्द रात दर्ज की गई, जहां न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। घाटी में औसत तापमान एक से तीन डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, कश्मीर के ऊपरी इलाकों में हाल ही में हुई हिमपात के कारण घाटी में तापमान में गिरावट आई है। कई इलाकों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। अनंतनाग जिले के पर्वतीय रिसॉर्ट पहलगाम में शून्य से नीचे 3.0 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया, जो कश्मीर का सबसे ठंडा स्थान रहा। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान मुख्यतः मौसम शुष्क रहने का अनुमान व्यक्त किया है। अगले दो दिनों में मौसम में कोई बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है।

ईवीएम से निकली वीवीपैट पर्चियां सड़क पर फेंकी मिलीं

- आरजेडी का गंभीर आरोप-'चुनाव आयोग' पर उठाए सवाल

समस्तीपुर (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक गंभीर आरोप लगाते हुए एक वीडियो जारी किया है। आरजेडी ने दावा किया है कि चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी करने की कोशिश की गई है। आरजेडी की ओर से जारी 27 सेकंड के वीडियो में समस्तीपुर के सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र के केएसआर कॉलेज के पास सड़क पर भारी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से निकलने वाली वीवीपैट (वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) पर्चियां फेंकी हुई मिली हैं। आरजेडी ने इस घटना को लेकर चुनाव आयोग पर सीधा सवाल उठाया है। पार्टी ने पूछा है कि कब, कैसे, क्यों किसके इशारे पर इन पर्चियों को फेंका गया।

सेना ने दिखाई भविष्य की तैयारियों की झलक

वीडियो जारी कर सेना ने बताया-कितनी तैयार है आर्मी

अत्याधुनिक हथियारों व टेक्नोलॉजी की झलक दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें भविष्य के लिए उसकी तैयारियों की एक झलक दिखाई गई है। इस वीडियो में दिख रहा है कि हमारी सेना किस तरह से अत्याधुनिक हथियारों से लैस है, उसके पास बेहतरीन टेक्नोलॉजी है और वह कितने भी दुर्गम क्षेत्रों में भी आसानी से पहुंचने में सक्षम हो चुकी है। दरअसल, रक्षा क्षेत्र में भारत की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है और सरकार की नीति भी है कि सशस्त्र सेनाओं को आधुनिक जमाने के युद्ध के लिए तैयार रखा जाए और नया वीडियो उसी का एक उदाहरण है। सेना मुख्यालय में एडिशनल डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ पब्लिक इंफॉर्मेशन की ओर से एक्स पर डाले गए वीडियो में ऐसे अत्याधुनिक हथियारों और आधुनिक सैन्य वाहनों की झलक दिखाई गई है, जिसमें इसकी बढ़ती क्षमता का प्रमाण मिलता है। वीडियो में मॉडर्न टैक्टिकल व्हीकल, प्रिसिजन वेपन सिस्टम और नेटवर्क टेक्नोलॉजी की जुगलबंदी दिखाई गई है।

- **पुरानी चुनौतियों से कहीं बेहतर है भविष्य**- इस वीडियो में भारतीय सेना की ओर कहा गया है हम भविष्य के खतरों से निपटने के लिए पुरानी चुनौतियों के मुकाबले कहीं बेहतर हैं। हम भविष्य के लिए तैयार हो रहे हैं। हमारा वेपन सिस्टम हमें बेजोड़ सटीकता और मारक क्षमता उपबलब्ध कराता है। हमारे टैक्टिकल व्हीकल हर क्षेत्र पर विजय पाने, हमारे सैनिकों की रक्षा करने और उन्हें पहले से कहीं अधिक तेजी के साथ पहुंचाने के लिए बनाए गए हैं। हमारा संकल्प अटूट है। हमारी भावना जीवंत है और हमारा शस्त्रागार भविष्य की प्रतिज्ञा है। हम भारतीय सेना हैं। हम अत्याधुनिक तकनीक के साथ भविष्य के लिए तैयार हो रहे हैं।
- **भारतीय सेना का हो रहा है आधुनिकीकरण**-दरअसल, भारतीय सशस्त्र सेना को लगातार भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है। यह सेना, वायु सेना और नौसेना सभी के साथ देखा जा रहा है।

बिहार को 'कट्टा सरकार' नहीं फिर से एनडीए सरकार चाहिए

- पीएम मोदी ने कहा-बेतिया में बिहार चुनाव की यह समापन रैली

बोले-यह चुनाव कोई नेता नहीं, बल्कि बिहार की जनता लड़ रही

बेतिया (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार के लोगों को अब कट्टा सरकार नहीं, फिर एक बार एनडीए सरकार चाहिए। बिहार के नौजवानों, महिलाओं, मध्यम वर्ग और किसानों ने कंधे से कंधा मिलाकर एनडीए के समर्थन में चुनाव प्रचार खुद संभाल लिया। ये चुनाव एनडीए का कोई नेता नहीं, बल्कि बिहार की जनता ये चुनाव लड़ रही है। पीएम मोदी शनिवार के बेतिया में बीजेपी-एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा- बिहार में इस विधानसभा चुनाव के चुनाव अभियान की ये एक प्रकार से मेरी समापन रैली है। मैंने भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की पवित्र जन्मस्थली से

आशीर्वाद लेकर, चुनाव अभियान शुरू किया था। और आज यहां पूज्य बापू के सत्याग्रह की भूमि चंपारण में इस चुनाव अभियान की ये मेरी आखिरी सभा है।

- चंपारण ने आरजेडी और कांग्रेस के जंगलराज का सबसे डरावना रूप देखा- पीएम मोदी ने कहा- बेतिया ने, चंपारण ने आरजेडी और कांग्रेस के जंगलराज का सबसे डरावना रूप देखा है। जंगलराज वालों ने सत्याग्रह की इस पुण्य भूमि को लठैतों और डकैतों का गढ़ बना दिया था। आए दिन यहां हत्याकांड होते थे, बहन-बेटियों का घर से बाहर निकलना मुश्किल था। ये सारी बातें मैं आपको इसलिए याद दिला रहा हूं, क्योंकि जहां कानून का राज खत्म होता है, वहां सबसे पहले गरीब, वंचित और पीड़ित बेहाल होता है। जहां कट्टे और रंगदारी का राज चलता है, वहां नौजवानों के सपने दम तोड़ देते हैं।

एमपी में बच्चों की थाली तक चुरा ली गई है:राहुल

- राहुल ने श्योपुर का रद्दी पर खाने का वीडियो पोस्ट किया

पचमढ़ी जाने से पहले एमपी सरकार पर बोला हमला

पचमढ़ी (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दो दिन पचमढ़ी में रहेंगे। राहुल गांधी पचमढ़ी के रविशंकर भवन में एमपी कांग्रेस के चुनिंदा नेताओं से मुलाकात करेंगे। इसके बाद होटल हाईलैंड में जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में एक सत्र को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी ने दिल्ली से रवाना होने पहले अपने एक्स अकाउंट पर श्योपुर के विजयपुर में बच्चों के रद्दी पर मिड-डे मील खाने वाला वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- ये वही मासूम बच्चे हैं जिनके सपनों पर देश का भविष्य टिका है, और उन्हें इज्जत की थाली तक नसीब नहीं। राहुल ने आगे लिखा- 20 साल से ज्यादा की बीजेपी सरकार...और बच्चों की थाली तक चुरा ली गई।

बिहार में एनडीए की लहर नहीं, कांटे की है टक्कर

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का मतदान संपन्न होने और दूसरे चरण की तैयारी के बीच, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एनडीए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। एक निजी चैनल को दिए खास इंटरव्यू में मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि बीजेपी और जेडीयू का रिश्ता सिर्फ सत्ता के लिए है। चुनाव के बाद नीतिश कुमार को 'किनारे' कर दिया जाएगा। पहले चरण के मतदान के बाद महागठबंधन की स्थिति पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि एनडीए की लहर है, यह सिर्फ उनका भ्रम है। उन्होंने दावा किया कि इस बार एनडीए और महागठबंधन में टक्कर कांटे की है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस और गठबंधन मजबूती से लड़ रहे हैं, और ग्राउंड रिपोर्ट भी यही कहती है।

पुणे लैंड डील में पार्थ पवार की बढ़ गई हैं मुश्किलें

- सौदा कैंसल करने के लिए भी देने होंगे 21 करोड़, रजिस्ट्रार ऑफिस ने दिया नोटिस

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के बेटे पार्थ पवार को दोहरा झटका लगा है। रजिस्ट्रार ऑफिस ने 40 एकड़ की सरकारी जमीन का सौदा कैंसल करने के लिए कंपनी अमेडिया इंटरप्राइजेज एलएलपी को 21 करोड़ रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और जुर्माना भरने का आदेश दिया है। बता दें कि इसमें पार्थ पवार की 99 पर्सेंट हिस्सेदारी है। कंपनी पर आरोप है कि उसने 1800 करोड़ की मार्केट वैल्यू की जमीन 300 करोड़ में खरीदी। इस मामले में पहले ही दो एफआईआर दर्ज की जा चुकी है, जिसमें दिग्विजय पाटिल और शीतल तेजवाणी को आरोपी बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक 40 एकड़ की जमीन दलित आरक्षित 'महार वतन' की है। 1959 में सरकार ने 15 साल के लिए लीज पर यह जमीन बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया को दी थी। 1999 में लीज की यह अवधि 2038 तक बढ़ा दी गई।

संघ के पथ संचलन पर कर्नाटक सरकार का यू-टर्न!

कोर्ट में कहा-वह चित्तपुर शहर में पथ संचलन पर विचार करेगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को उच्च न्यायालय को सूचित किया कि वह चित्तपुर शहर में पथ संचलन आयोजित करने के लिए आरएसएस के कलबुर्गी संयोजक द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी। उच्च न्यायालय ने 30 अक्टूबर को आरएसएस के कलबुर्गी संयोजक अशोक पाटिल को निर्देश दिया था कि वह कलबुर्गी जिले के चित्तपुर शहर में प्रस्तावित पथ संचलन पर चर्चा करने के लिए पांच नवंबर को महाधिवक्ता कार्यालय में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक करें। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणा श्याम और महाधिवक्ता (एजी) शशि किरण शेट्टी को भी सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने के लिए बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस एमजीएस कमल के समक्ष सुनवाई के दौरान अरुणा श्याम ने

अदालत को बताया कि पांच नवंबर को महाधिवक्ता के नेतृत्व में हुई बैठक बहुत बेहतर ढंग से संपन्न हुई। इसमें सभी पक्षों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमने अपना पक्ष रखा है और चर्चा रचनात्मक रही। महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि राज्यभर में इसी तरह के मार्च के लिए 11 आवेदन लंबित हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी इन सभी पर विचार करेंगे और कुछ शर्तों के साथ अनुमति प्रदान करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि हम एक बार के उपाय के रूप में सभी को अनुमति प्रदान करेंगे, इसे मिसाल के तौर पर नहीं देखा जाएगा। उन्होंने इसे अंतिम रूप देने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। दलील देते हुए, उच्च न्यायालय ने कहा कि पांच नवंबर की बैठक सार्थक और सकारात्मक रही थी। इसने कहा कि याचिकाकर्ता की प्रस्तावित तिथियों 13 एवं 16 नवंबर के बारे में अनुकूल विचार किया जा रहा है और राज्य शीघ्र ही अपना निर्णय बताएगा। मामले की अगली सुनवाई 13 नवंबर को होगी। पांच नवंबर को हुई बैठक, 24 अक्टूबर को अदालत के पूर्व निर्देश के बाद बुलाई गई दूसरी ऐसी बैठक थी, जब अदालत ने राज्य को प्रस्तावित मार्च को लेकर चित्तपुर में तनाव की खबरों के बाद आयोजकों के साथ एक शांति समिति की बैठक आयोजित करने के लिए कहा था। कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियंक खरगे के गृह क्षेत्र चित्तपुर में अधिकारियों ने शांति और कानून-व्यवस्था भंग होने की आशंका का हवाला दिया था।

संक्षिप्त समाचार

कार्तिक पूर्णिमा पर डूबे युवक का शव बरामद, महनार के गंज घाट पर मिला, पोस्टमार्टम के लिए भेजा

हाजीपु। वैशाली के महनार स्थित गंज घाट पर युवक शिवम कुमार (23) का शव बरामद हुआ। गुरुवार को कार्तिक पूर्णिमा के दिन वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कष्टहरिया गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के दौरान वह बहाव का शिकार हो गए थे। घटना स्थल से लगभग 10 किलोमीटर दूर महनार के गंज गंगा घाट पर उनका शव मिला। गंज घाट पर एक शव के मिलने की सूचना मिलते ही देसरी थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस द्वारा मौके पर ही उपस्थित परिजनों के सामने शव की पहचान शिवम कुमार के रूप में सुनिश्चित की गई। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

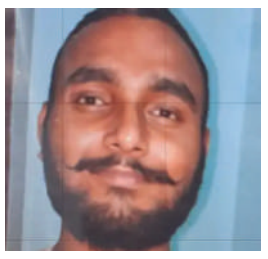

गुरुवार को घटी इस घटना के बाद से ही शव की तलाश जोर-शोर से शुरू हो गई थी। इस कार्य में पुलिस, SDRF (स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स) की विशेष टीम, स्थानीय गोताखोरों और मछुआरों ने संयुक्त रूप से लगातार प्रयास किए। तीन दिनों तक चले सतत सर्च ऑपरेशन के बाद आखिरकार नदी की धारा ने ही शव को महनार के तट तक पहुंचा दिया। स्थानीय लोगो ने बताया की खिलवत गांव के एक परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। खिलवत गांव निवासी पंकज सिंह का बेटा शिवम कुमार (23) को परिवार ने अपने इकलौते बेटे और परिवार के एकमात्र सहारे को खो दिया है। शिवम कुमार की अचानक हुई मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि शिवम कुमार बीटेक मे बिहार टॉप किया था, वह कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने आया था इसी दौरान यह हादसा हो गया। इस दुखद घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने एक बार फिर लोगों से नदी में स्नान करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने विशेष रूप से गहरे पानी और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी है, ताकि ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके। साथ ही, धार्मिक या सामुदायिक स्नान के दौरान सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है।

बिहार खेलेगा अपना चौथा रणजी मुकाबला, सिक्किम की टीम से होगा सामना, मैच में वैभव सूर्यवंशी नहीं रहेंगे मौजूद

पटना। आज बिहार टीम रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप में अपना चौथा मुकाबला खेलेगी। सिक्किम के खिलाफ प्रदेश की टीम का मैच होगा। इंडिया ए टीम में चयनित होने के कारण 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी टीम के साथ नहीं होंगे। हालांकि, इससे पहले जितने भी मैच हुए हैं उसमें वैभव को उप कप्तान बनाया गया था। इस मैच के लिए पहले की तरह सकीबुल गनी को ही कप्तान बनाया गया है। वहीं, सरमन निगरोध की वापसी हुई है। इससे पहले पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में आयोजित रणजी मैच में बिहार टीम ने जीत दर्ज की थी। बिहार ने अरुणाचल प्रदेश को एक पारी और 165 रनों से हराया था। अरुणाचल प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था, लेकिन बिहार की गेंदबाजी के सामने पूरी टीम पहली पारी में 32.3 ओवर में 105 रन पर सिमट गई। इसके बाद बिहार ने जवाबी पारी में ठोस बल्लेबाजी करते हुए 166.3 ओवर में 9 विकेट पर 542 रन बनाए। दूसरी पारी में अरुणाचल प्रदेश ने 75.3 ओवर में 272 रन बनाकर ऑल आउट हो गई थी और बिहार टीम विजयी हुई। वहीं, नाडियाद के गोकुलभाई सोमाभाई पटेल स्टेडियम में आयोजित मणिपुर बनाम बिहार मुकाबला ड्रॉ रहा था। इस मैच में मौसम ने पूरे खेल को प्रभावित किया, जिससे दोनों टीमों को खेल का पूरा समय नहीं मिल सका था। मैच के पहले दिन कुछ समय तक खेल संभव हो सका, लेकिन दूसरे दिन से शुरू हुई लगातार बारिश के कारण ग्राउंड गीला रहा और अंपायरों को खेल रोकना पड़ा था। तीसरे और चौथे दिन भी हालात में सुधार नहीं हो पाया, जिसके चलते मैच को आखिर में ड्रा घोषित करना पड़ा था। वहीं, पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में चार दिवसीय मैच में मोन्था तूफान के कारण दो दिन का ही खेल हो सका था, जो ड्रॉ पर खत्म हुआ था।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या, शादी के 4 महीने बाद 5 लाख रुपए की मांग, आरोपी घर छोड़कर भागे

हाजीपुर। वैशाली के भगवानपुर थाना क्षेत्र के इमादपुर में दहेज के लिए एक विवाहिता की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि ससुराल वालों ने 5 लाख रुपए दहेज की मांग पूरी न होने पर शुक्रवार रात महिला की गला दबाकर हत्या कर दी। मृतका की शादी चार महीने पहले ही हुई थी। वह बेलसर के सोरहत्था गांव की निवासी थी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि ससुराल वाले लगातार 5 लाख रुपए दहेज की मांग कर रहे थे। घटना के बाद से पति सहित अन्य आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए हैं। मृतका की पहचान आरती कुमारी के रूप में हुई है, जिसकी शादी 4 महीने पहले भगवानपुर थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव निवासी दिनेश साह के बेटे विकास कुमार साह से हुई थी। मृतका की मां फुल कुमारी देवी ने बताया कि उन्होंने बेटी की शादी में 10 लाख रुपए दहेज स्वरूप दिए थे। इसके बावजूद, शादी के बाद लड़के ने कार खरीदने के लिए 5 लाख रुपए और मांगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पैसे न देने पर पहले भी हत्या की धमकी दी गई थी। आरती के भाई मोनू कुमार ने जानकारी दी कि दो महीने पहले ससुराल वाले उनकी बहन को 5 लाख रुपए के लिए धमका रहे थे और मारपीट भी कर रहे थे। तब उनके माता-पिता ने ससुराल जाकर उन्हें समझाया था, लेकिन वे 5 लाख रुपए लेने की जिद पर अड़े हुए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। मामले की जांच जारी है और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

वोटिंग के दौरान एसडीपीओ-मजिस्ट्रेट से हाथापाई रविदास परिवार को वोट डालने से रोकने पर हुआ विवाद

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज विधानसभा क्षेत्र में 6 नवंबर को मतदान के दौरान एक विवाद सामने आया। इस दौरान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकर्ताओं पर रविदास परिवार को वोट डालने से रोकने का आरोप लगा। सूचना पर पहुंचे लालगंज के एसडीपीओ गोपाल मंडल और मजिस्ट्रेट अभिषेक आनंद के साथ हाथापाई और दुर्व्यवहार किया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह घटना लालगंज के पोझिया गांव के बूथ संख्या 70 और 71 पर हुई। आरोप है कि रविदास परिवार के सदस्यों को मतदान करने से रोका जा रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर एसडीपीओ गोपाल मंडल और मजिस्ट्रेट अभिषेक आनंद मौके पर पहुंचे। उन्होंने जब मामले की जांच शुरू की और पाया कि रविदास परिवार को मतदान करने से रोका जा रहा है, तो उन्होंने इस पर आपत्ति जताई। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने अधिकारियों के साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि उन्हें बूथ नंबर 70 और 71 पर रविदास परिवार को वोट न देने देने की सूचना मिली थी। जांच में यह मामला सही पाया गया। उन्होंने लोगों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की अपील की, जिसके बाद वहां मौजूद लोगों ने विरोध शुरू कर दिया और गाली-गलौज की। पुलिस अब वायरल वीडियो के आधार पर घटना में शामिल लोगों की पहचान कर रही है। इस संबंध में मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सम्राट बोले-जंगलराज में सड़कें अमरीश पूरी के गाल जैसी थीं

खेसारी लाल ने मनोज तिवारी के छुए पैर, चिराग बोले- अगले हफ्ते हम सरकार बनाएंगे

एजेंसी, पटना

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने आरजेडी पर तंज कसते हुए कहा कि लालू यादव ने कहा था कि बिहार की सड़कें हेमा मालिनी के गाल जैसी होंगी, लेकिन उनकी सरकार में सड़कें ओम पुरी के गाल जैसी बन गईं थी। पता ही नहीं चलता था कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने पिछले सालों में विकास की वह तस्वीर पेश की है, जिसकी कल्पना पहले संभव नहीं थी। सम्राट चौधरी शनिवार को पूर्वी चंपारण के चिरैया विधानसभा क्षेत्र के बारा जयराम मैदान में एनडीए प्रत्याशी लालबाबू गुप्ता के समर्थन में आयोजित जनसभा में अपने संबोधन में ये बातें कही।

खेसारी लाल ने मनोज तिवारी के छुए पैरः पटना एयरपोर्ट पर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने भोजपुरी स्टार और RJD उम्मीदवार खेसारी लाल यादव से मुलाकात की। इस दौरान खेसारी लाल ने मनोज तिवारी के पैर भी छुए। इसके बाद मनोज तिवारी ने भी उन्हें गले लगा लिया।

चिराग बोले- अगले हफ्ते हम सरकार बनाएंगेः केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'अगले हफ्ते जब हम सरकार बना रहे होंगे, तब विपक्ष को पता चल जाएगा। अगले हफ्ते NDA सरकार बनाने की गहमा-गहमी में होगा। मुझे एक कारण बताएं कि जनता क्यों महागठबंधन पर भरोसा करे? जिस तरीके से राजद के कार्यकर्ताओं लोगों को परेशान कर रहे हैं। अभी से ही लोगों को इनका क्लचर दिखने लगा है। लोग यह समझ रहे हैं कि अगर गलती से भी वो लोग सत्ता में आ गए तो पूरे बिहार में अराजकता का माहौल बना देंगे। पहले चरण में हम करीब 100 सीटों पर पहुंच चुके हैं। इस बार 2010 का रिकॉर्ड भी टूटेगा।'

3 दलित की पिटाई पर संजय झा बोले- जनता सब देख रहीः इधर, गोपालगंज में RJD को वोट नहीं देने पार्टी समर्थकों ने गुरुवार (6 नवंबर) की रात तीन दलितों की पिटाई कर दी। इसे लेकर जदयू के राज्यसभा सांसद संजय झा ने तेजस्वी पर तंज कसा है। उन्होंने X पर लिखा, 'भैया जी' को ख्याली पुलाव पकाते देख कर उनकी सेना ने रंगदारी शुरू कर दी है। बाकी तो जनता मालिक है ही।

वहीं, मुंगेर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों के सड़क पर डांस करने का मामला सामने आया है। ये जवान मुजफ्फरपुर से चुनाव ड्यूटी पूरी कर बांका लौट रहे थे। स्थानीय पुलिस के हस्तक्षेप के बाद उनका यह कार्यक्रम बंद कराया गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव शनिवार को बांका के बेलहर क्षेत्र में जनसभा करेंगे। वही, बगहा के भैरोगंज हाई स्कूल मैदान में यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सांसद मनोज तिवारी की जनसभा होगी।

वोटिंग से 3 दिन पहले पटना में जंगलराज की प्रदर्शनी

एजेंसी, पटना

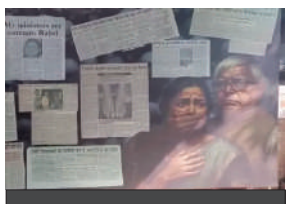

- जदयू ने लालू को पोस्टर में महिला का मुंह दबाते दिखाया, अखबारों की कटिंग लगाई

पटना में शनिवार को जदयू ने वोटिंग से 3 दिन पहले जंगलराज की प्रदर्शनी लगाई है। इसके साथ ही लालू को पोस्टर में महिला का मुंह दबाते दिखाया है। प्रदर्शनी में लालू शासनकाल के अखबारों की कटिंग लगाई है। अखबारों की कटिंग दिखाते हुए जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, 'लालू प्रसाद का शासनकाल जंगलराज नहीं, बल्कि आतंक राज था। ये हम नहीं बोलते तात्कालीन हाईकोर्ट और मीडिया बोलती है। बिहार भूलेगा नहीं लालूवाद का जंगलराज।'

तत्कालीन DGP बोलते थे- लफंगे नेताओं के हाथ में सत्ताः नीरज ने आगे कहा कि, 'लालू राज की प्रदर्शनी इसलिए लगाई है, क्योंकि तेजस्वी के प्रचार में राबड़ी गई, इससे कोई आपत्ति नहीं है। तेजस्वी के नामांकन में लालू-राबड़ी गई, फिर भी कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन लालू यादव की तबीयत खराब होने के बावजूद वो रीतलाल के चुनाव प्रचार में गए। तत्कालीन DGP बोलते थे- लफंगे नेताओं के हाथ में सत्ता है। क्या हालात थे। दुनिया की नजर में बिहार की क्या छवि थी, पेपर में छपता था लालू हर इंच माफिया लगते हैं।'

90 के दशक की घटनाओं को दिखाया गयाः प्रदर्शनी में अखबारों की कटिंग के जरिए उस दौर के अपराध, अपहरण और भ्रष्टाचार से जुड़ी घटनाएं प्रदर्शित की गई है। इसमें 1990 से 2000 बीच हुई प्रमुख घटनाओं को शामिल की गई हैं। जदयू ने इसे 'याद करो जंगलराज के दिन' शीर्षक दिया है। इसमें 'भ्रष्टाचार की गाथा', 'अपराध की राजधानी', 'बिहार का पलायन काल' शामिल हैं। नीरज ने कहा कि, 'ये सारे दस्तावेज बताते हैं कि लालू राज आतंक राज था।

तेजस्वी को बर्थ-डे पर पोस्टर वाला गिफ्ट

एजेंसी, पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का कल यानी 9 नवंबर को जन्मदिन है। वे 36 साल के हो जाएंगे। इस मौके पर राजद समर्थक अपने नेता के बर्थडे के लिए काफी उत्साहित हैं। तेजस्वी को फील गुड कराने के लिए समर्थकों ने पटना की सड़कों पर जगह-जगह बड़े पोस्टर लगाए हैं। पोस्टर में तेजस्वी हाथ जोड़े हुए हैं और उनके फोटो के बगल में सीएम की प्रतीकात्मक कुर्सी बनी हुई है। कुर्सी पर 'CM of Bihar' लिखा है। दर्शाय गया है कि ये तेजस्वी के जन्मदिन का उपहार है। पोस्टर में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती सहित राजद के अन्य नेताओं की तस्वीरें भी शामिल की गई हैं। राजद नेता के अनुसार कल कलम भी बांटे जाएंगे।

पोस्टर पर बड़े अक्षरों में लिखा गया है कि गरीबों, महिलाओं, अतिपिछड़ों, अल्पसंख्यकों और दलितों को आर्थिक न्याय दिलाने के कृतसंकल्पित तेजस्वी जी को जन्मदिन का उपहार। हर-घर नौकरी देने के संकल्प के साथ बिहार की जनता की ओर से जन्मदिन की हार्दिक बधाई। भारतवर्ष के होने वाले सबसे युवा मुख्यमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। राजद नेताओं ने कहा कि तेजस्वी यादव ने युवाओं, किसानों और बेरोजगारों के हित में जो काम किया और जो वादे किए हैं, उससे बिहार की जनता को उनमें अपने भविष्य की उम्मीद दिखाई देती है। पटना के वीरचंद पटेल पथ पर जहां राजद का कार्यालय है, उसके सामने तेजस्वी का ये पोस्टर दे सकते हैं। इसके अलावा 9 नवंबर को तेजस्वी यादव के जन्मदिन को और खास बनाने के लिए कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग कार्यक्रम की तैयारी कर रहे हैं। राजद सचिव अरुण कुमार यादव ने कहा कि तेजस्वी को जन्मदिन की अग्रिम बधाई है। बिहार में जनसभाओं में जो जनसैलाब उमड़ रहा है। पहले चरण का जो चुनाव हुआ, वोटरों ने जैसे बढ़ चढ़कर सरकार के खिलाफ वोट किया, इससे तेजस्वी का सीएम बनना तय है।

समस्तीपुर में सड़क पर मिली वीवीपैट पर्चियां

एजेंसी, पटना

- प्रशासन बोला- जांच के बाद होगी एफआईआर, आरजेडी ने पूछा- क्या चोर आयोग जवाब देगा

समस्तीपुर के सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र के KSR कॉलेज के पास सड़क पर भारी संख्या में VVPAT की पर्चियां मिली हैं। इस मामले में EC ने एक्शन लिया है। 2 कर्मचारियों को हटाया गया है। प्रशासन ने भी इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही कहा है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ FIR होगी। इससे मतगणना पर कोई असर नहीं पड़ेगा। RJD ने सोशल मीडिया X पर एक वीडियो शेयर किया है। इसके साथ ही लिखा- 'समस्तीपुर के सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र के KSR कॉलेज के पास सड़क पर भारी संख्या में EVM से निकलने वाली VVPAT पर्चियां फेंकी मिली है। कब, कैसे, क्यों किसके इशारे पर इन पर्चियों को फेंका गया?क्या चोर आयोग इसका जवाब देगा? क्या यह सब बाहर से आकर बिहार में डेरा डाले लोकतंत्र के डकैत के निर्देश पर वोट चोरी किया जा रहा है।'

खगड़े बोले- 20 साल में मोदी कुछ नहीं कर पाएः कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, "जंगलराज का नारा पुराना है। अगर वे (NDA) लोग 20 साल में जंगल राज खत्म नहीं कर पाए, घुसपैठियों को निकाल नहीं पाए तो यह केंद्र सरकार की विफलता है। डबल इंजन की सरकार का नारा देने वाले लोगों से मैं कहना चाहता हूं कि आप खुद सत्ता में हैं, बावजूद इसके यदि आप ऐसी बातें करते हो तो इसे कोई स्वीकार नहीं करेगा। प्रथम चरण के मतदान पर उन्होंने कहा, हम जनता पर विश्वास रखते हैं। मुझे नहीं पता कि उन्हें(NDA) आंकड़े कहां से प्राप्त होते हैं। इससे पहले भी वे ऐसी ही बातें करते थे कि 'इस बार 400 पार, लेकिन हमारा भरोसा जनता के ऊपर है और जनता जो निर्णय लेगी वो न्यायपूर्ण होगा।

पूर्णिया में महागठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि, इलेक्शन कमीशन बीजेपी की 'C' टीम है। बिहार में महागठबंधन को मजबूत करना है और बीजेपी को नौ दो ग्यारह करना है। उन्होंने कहा कि, बिहार में बहरूपिए के रूप में बीजेपी की कई टीमें काम कर रही हैं। C टीम चुनाव आयोग है, जो बीजेपी के लिए काम कर रही है। इस बार के चुनाव में युवाओं का नहीं, बल्कि बिहार से बीजेपी का पलायन होने जा रहा। दिल्ली में बैठे लोग सिर्फ बड़ी बड़ी बाते करते हैं। लेकिन हम और आप मंदिर चले जाएं तो बीजेपी वाले मंदिर धुलवाते हैं।

वैशाली में राजद प्रत्याशी ई. रविन्द्र सिंह के खिलाफ FIR दर्जः वैशाली जिले की महनार विधानसभा सीट से राजद उम्मीदवार ई. रविन्द्र सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन पर मतदान के दौरान भीड़ को उकसाकर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) पर पत्थरबाजी करवाने का आरोप है। पथराव पहले फेज की वोटिंग के दौरान 06 नवंबर की दोपहर महनार विधानसभा के जंदाहा में बूथ संख्या 53 और 54 पर हुई थी।

सेक्टर पदाधिकारी के रूप में तैनात एएसआई जनार्दन राय ने जंदाहा थाना में दर्ज कराया है। दर्ज की गई प्राथमिकी में ई. रविन्द्र सिंह के साथ आधा दर्जन अन्य नामजद और 20 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। महनार SDPO प्रवीण कुमार ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। कल शाम 5 बजे के बाद चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा। ऐसे में महागठबंधन के नेता लगातार सभा कर रहे हैं। आज कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, तेजस्वी यादव, मुकेश सहनी, यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव की जनसभा है।

पवन खेड़ा बोले- शाह के होटल के सीसीटीवी पर कागज चिपकाया जा रहा, किससे छिपकर मिल रहे

एजेंसी, पटना

पटना में शनिवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा कहा, 'आज प्रधानमंत्री भी बिहार घूम रहे हैं। उनका कल का मैंने भाषण सुना। वह कट्टा, कनपटी की बात करते हैं। मैं प्रधानमंत्री की बात सुनकर नीतीश बाबू को यह सलाह देते हूं कि कट्टा ले जाकर उनके कनपटी में रखिए और अपने आप को मुख्यमंत्री घोषित करवाइए। क्योंकि ऐसे यह लोग आपको मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे। रोचक बात यह है कि दूसरे खेमे में बौखलाहट की इम्तिहान हो गई है। सुनने में आया है की उनकी रैलियां कम हो गई है, आपस में समन्वय नहीं बन पा रहा है। चिराग पासवान और जदयू का समन्वय नहीं बन पा रहा है।

शाह के होटल के CCTV पर कागज चिपकाया जा रहाः प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने अमित शाह को भी घेरा। कहा, 'एक अजीब बात हमने देखी। गृहमंत्री जब होटल में आते हैं तो लिफ्ट के सीसीटीवी के ऊपर कागज चिपका दिया जाता है। हमें यह नहीं समझ में आता है कि गृहमंत्री यहां किससे मिलने आ रहे हैं, किसका मुंह छिपाया जा रहा है। किससे वह डर-डर के और छिप छिपकर मिलने आ रहे हैं। क्या वह एक अधिकारी है। हम चाहते हैं कि इसका जवाब गृहमंत्री दें। होटल वाले को मजबूर करके सीसीटीवी के ऊपर कागज लगाया जाता है। सीसीटीवी के ऊपर कागज चिपकाने अन्य लोगों के सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है।'

पहले फेज में महागठबंधन 72 सीटें जीत रहा हैः पवन खेड़ा ने दावा किया कि, फर्स्ट फेज में महागठबंधन लगभग 72 सीट जीत रही है। हमने फर्स्ट फेज के चुनाव का असेसमेंट किया है। हमारे इंटरनल रिपोर्ट के मुताबिक हम लगभग 72 सीटों पर स्पष्ट रूप से जीत रहे हैं। हमने बूथ वाइज आंकड़े लिए हैं, राजद वालों से भी हमने समन्वय बैठाया है। अभी हम यह कम करके बता रहे हैं, क्योंकि जो आंकड़े आए थे वह इससे भी ज्यादा थे। हम यह आंकड़ा कम करके और कंजूसी करके बता रहे हैं। पिछली बार का हम लोग स्ट्राइक रिकॉर्ड तोड़ने वाले हैं।

PM की रैलियों से NDA के वोट कट रहेः उन्होंने आगे कहा कि इस जीत के दो-तीन मुद्दे निकलकर सामने आए हैं। बेरोजगारी बहुत बड़ा मुद्दा निकलकर सामने आया है। नौजवान खुलकर अपने गुस्से का इजहार कर रहे हैं। दूसरा एंटी इनकंबेंसी हर वर्ग में दिखाई दे रही है। तीसरा जितनी बार प्रधानमंत्री बिहार में जाकर मुंह खोलते हैं पहले वोट कम हो रहे थे अब सीट कम हो रही है। प्रधानमंत्री इस चुनाव में विपक्ष के लिए बहुत बड़े स्टार कैंपेनर बनकर उभरे हैं।

पीएम की कनपट्टी पर कट्टा रखकर सीएम घोषित करवाएं नीतीशः खेड़ा

जिम के गेट पर रातभर झोले में टंगी रही बच्ची

एजेंसी, पटना

पटना में शनिवार को एक जिम के गेट पर सफेद झोले में नवजात बच्ची मिली है। मासूम को उसके मां-पिता छोड़कर चले गए। जिस जिम के गेट पर बच्ची टंगी थी, वो रात 10 बजे बंद हो गया था। रातभर बच्ची को मच्छरों ने काट-काटकर उसके गाल सुजा दिए। बताया जा रहा है कि जिम के बंद होने के बाद कोई उसे वहां छोड़ गया। सुबह 6 बजे जब जिम खुला तो जिम के ऑनर सौरव सुमन ने नवजात को झोले से निकाला और थाने को सूचना दी। नवजात को किसने छोड़ा, 'वो कहां से आई है इस बारे में अभी किसी को पता नहीं है।

फिलहाल जिम के ऑनर सौरव ने नवजात को गोद ले लिया है। जबकि वे पहले से 2 बच्चों के पिता हैं। 1 बेटी और 1 बेटा है। सौरव कहते हैं- मेरे यहां एंजल आई है। राजीव नगर थानेदार सोनू कुमार ने बताया, 'फिलहाल बच्ची जिम ऑनर के पास है। कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। मामला राजीवनगर रोड नंबर-18 का है।' जिम के ऑनर सौरव बच्ची को तुरंत अस्पताल ले गए। डॉक्टर ने नवजात का चेकअप किया है, उसे अभी किसी प्रकार की परेशानी नहीं है। वो स्वस्थ है। चेहरे पर मच्छर के काटने से थोड़ी एलर्जी हो गई थी, जो मेडिकल के बाद ठीक हो चुका है। अभी बच्ची सौरव के घर में ही है। बच्ची को गोद लेने के बाद पूरा परिवार काफी खुश है।

1 लाख की आबादी को पुल का इंतजार, पुनपुन पार बसे हैं 12 गांव

एजेंसी, पटना

पटना में 12 गांव की 1 लाख की आबादी को आजतक एक पुल नहीं मिला। ये सभी गांव पुनपुन नदी के किनारे बसे हैं, जो बाजार से कटे हैं। यहां युवाओं के लिए न कॉलेज है और न कोचिंग। किसी को जरूरत के चीजें लाने होती है तो मसौढ़ी जाना होता है। मसौढ़ी जाने के लिए ग्रामीणों को 25 किमी की दूरी तय करनी होती है, अगर पुल बन जाए ये दूरी घटकर मात्र 5 किमी की रह जाएगी, लोगों को काफी राहत होगा। जिन ग्रामीणों के पास अपनी बाइक या अन्य साधन है वे किसी तरह मसौढ़ी चले जाते पर, जिनके पास साधन नहीं उन्हें बहुत ज्यादा परेशानी होती है। नाव से नदी पार करने में डूबने का डर रहता है। गांव की ओर 2 ही ऑटो चलते हैं। ये कभी-कभी ग्रामीणों को समय पर उपलब्ध नहीं हो पाते। ऐसी स्थिति में लोगों को रात में ज्यादा परेशानी होती है। रात में मजदूरी कर लौटने वाले ग्रामीणों को घर पहुंचने में देरी हो जाती है। मजबूरी में लोग खुद से पुनपुन नदी पर पुल बनाते हैं, जो 400 मीटर का होता है, पर ये साल के सिर्फ 5 महीने ही टिकता है, मार्च से जुलाई तक। बरसात में नदी का पानी बढ़ने के बाद पुल बह जाता है। उसके बाद मार्च में नदी का पानी घटने के बाद ही पुल बन पाता। ये परेशानी पटना से लगभग 25 किलोमीटर दूर नौबतपुर प्रखंड के गांवों की है।

सड़क मार्ग से ग्रामीणों के लिए दो रास्तेः बरसात में पुनपुन नदी का पानी बारिश के महीनों में बढ़ जाता है। ग्रामीणों के सहयोग से बना पुल बहने के बाद ग्रामीणों के पास सड़क मार्ग ही ऑप्शन रह जाता है। ग्रामीण नौबतपुर से पुनपुन और पुनपुन से मसौढ़ी जाते हैं, इस रास्ते की दूरी 25 किमी पड़ती है। दूसरा रास्ता नौबतपुर से पटना और पटना से मसौढ़ी तक का है, इस रास्ते से जाने में 40 किमी सफर करना होता है। ग्रामीण नौबतपुर से पुनपुन वाला ही रास्ता चुनते हैं, पर जिन ग्रामीणों के पास अपने वाहन नहीं होते हैं उनके लिए 25 किसी का रास्ता आसान नहीं होता।

- न बाजार है और न कॉलेज-कोचिंग, 25 किमी दूर जाना होता मसौढ़ी

गांव में स्कूल तो हैं, लेकिन कॉलेज या कोचिंग नहीं है। ऐसे में युवाओं को पढ़ने के लिए मसौढ़ी ही जाना होता है। जब पुल बह जाता है तो स्टूडेंट्स को पढ़ाई के लिए 50 किमी का डिस्टेंस कवर करना होता है। 25 किमी जाने और 25 किमी आने में। ऐसी स्थिति में कई छात्र-छात्राएं कॉलेज-कोचिंग नहीं जाते हैं, घर पर ही पढ़ाई करते हैं। वहीं, अगर कोई गांव में बीमार हो जाता है तो परेशानी दोगुनी हो जाती है। तब एक गाड़ी बुक करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता, पर इसके लिए अधिक रुपए खर्च करने पड़ते हैं। छात्र सरफराज अंसारी ने बताया कि पुल न होने के कारण मसौढ़ी जाकर पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से कठिनाई होती है। मरीजों को भी अस्पताल ले जाने में और ले आने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

बारा गांव के मुखिया रूपक कुमार ने बताया कि पुल की मांग को लेकर ग्रामीण कार्य विभाग में आवेदन दिया था। आवेदन के बाद विभाग के अभियंता ने स्थल निरीक्षण किया था। इसके बावजूद भी कोई कार्य नहीं हुआ। किसान सुनील यादव बताते हैं कि लोकसभा चुनाव के वक्त राजद प्रत्याशी मिशा भारती से भी पुल की मांग की थी। ग्रामीण सैयद इरफान गनी ने बताया कि सांसद रामकृपाल यादव से भी पुल निर्माण की मांग की थी। उमाशंकर रविदास ने बताया कि पुनपुन, बिक्रम और मसौढ़ी 3 विधानसभा क्षेत्र इसके आसपास हैं। मूल रूप से यह गांव बिक्रम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ता है। क्षेत्र से पिछले 10 साल से यहां के विधायक सिद्धार्थ सौरभ रहे हैं। इससे पहले यहां के विधायक अनिल कुमार हुआ करते थे। इन दोनों विधायकों से ग्रामीण लगातार पुनपुन नदी पर पुल निर्माण की मांग करते रहे हैं। इसके बावजूद आजादी के 75 वर्ष से अधिक गुजर जाने के बाद भी ग्रामीण खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। ग्रामीण लोरिक साव बताते हैं कि हर साल राजनेताओं से और सरकार से पुनपुन नदी पर एक पुल की मांग करते रहे हैं, लेकिन वर्षों गुजर जाने के बाद भी उनकी समस्याएं बनी हुई है। पुनपुन नदी के मुहाने पर मध्य विद्यालय है और लगातार मिट्टी के कटाव से विद्यालय पर खतरे की घंटी मंडरा रही है।

संक्षिप्त समाचार

71वीं वाहिनी एस.एस.बी. द्वारा पकड़ा गया प्रतिबंधित यूरिया बैग

बीएनएम @ मोतिहारी। 71वीं वाहिनी स.सी.ब. मोतिहारी के कार्यक्षेत्र सीमा चौकी अगरवा के द्वारा आसूचना के आधार पर दिनांक 07/11/25 को लगभग एक नियमित नाका पार्टी सीमा चौकी अगरवा, ए समवाय अठमोहन, अंतरराष्ट्रीय स्तम्भ के पास, नाका ड्यूटी करने के लिए गई थी। नाका ड्यूटी करते समय, टीम ने कुछ व्यक्तियों को नेपाल की ओर जाते और अपनी मोटरसाइकिलों पर उर्वरक के बैग ले जाते देखा। नाका पार्टी ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने उर्वरक के बैग 02 बाइकों के साथ फेंक दिए और नेपाल की ओर भाग गए। आस-पास के इलाकों की तलाशी के बाद पार्टी ने निम्नलिखित वस्तुएँ बरामद कीं और जब्त यूरिया बैग 75 प्रत्येक 45 किलोग्राम और दो बाइक ये सभी वस्तुएँ सीमा शुल्क कार्यालय में जमा कर दिया गया है।

विधानसभा चुनाव अलर्टः अरेराज में SSB-पुलिस की सघन गश्त, आचार संहिता पर जीरो टॉलरेंस

बीएनएम @ अरेराज। आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से अरेराज में शनिवार को एसएसबी (SSB) और स्थानीय पुलिस द्वारा संयुक्त फ्लैग मार्च निकाला गया। यह फ्लैग मार्च अरेराज नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए विभिन्न संवेदनशील इलाकों से गुजरा। संयुक्त फ्लैग मार्च का नेतृत्व अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी और अपर थानाध्यक्ष रमेंद्र कुमार ने किया। इस दौरान एस.आई राजेश तिवारी, एस.आई जितेंद्र सिंह, ए.एस. आई लालबाबू प्रसाद पुलिस मित्र अभिषेक सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल और एसएसबी के जवान शामिल रहे I थानाध्यक्ष ने स्पष्ट संदेश दिया कि चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अराजकता या आचार संहिता के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में भी ऐसे फ्लैग मार्च और गश्ती अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि पूरा क्षेत्र शांतिपूर्ण और भयमुक्त माहौल में मतदान के लिए तैयार रहे।

कन्हैया कुमार ने सरकार पर कसा तंज, कहा एयरपोर्ट पर उन्हें दो धंटे रोका गया

बीएनएम @ बगहा : बगहा में शनिवार को निर्धारित रोड शो में हिस्सा लेने पहुंचे वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी बमुश्किल 12 मिनट ही रुके और वापस लौट गए। उनका हेलीकॉप्टर शाम 3:57 बजे विमल बाबू मैदान में उतरा और 4:09 बजे फिर उड़ान भर लिया। जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन ने हेलीकॉप्टर की लैंडिंग, रोड शो और वापसी के लिए दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक की अनुमति दी थी। इस अवधि में उन्हें पूरा कार्यक्रम संपन्न करना था, लेकिन समय समाप्ति के करीब पहुंचने के कारण रोड शो संभव नहीं हो पाया।मैदान में मौजूद समर्थकों को उन्होंने करीब पांच मिनट संबोधित किया और कांग्रेस प्रत्याशी जयेश मंगलम सिंह को माला पहनाकर समर्थन की अपील की। उन्होंने लोगों से कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने को कहा। इस दौरान कांग्रेस के फायर ब्रांड नेता कन्हैया कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि एयरपोर्ट पर उन्हें करीब दो घंटे रोका गया, जिसके कारण कार्यक्रम में देरी हुई। इस कार्यक्रम में नरकटियागंज से कांग्रेस प्रत्याशी केदार शाश्वत भी उपस्थित रहे।बताया जा रहा है कि इससे दो दिन पहले गुरुवार को भी इसी विमल बाबू खेल मैदान में सहनी की सभा प्रस्तावित थी। उस दिन हजारों की संख्या में लोग उनका इंतजार करते रहे। मंच पर कांग्रेस प्रत्याशी सहित महागठबंधन के कई नेता मौजूद थे, लेकिन सहनी नहीं पहुंच सके। कांग्रेस प्रत्याशी जयेश मंगलम सिंह ने दावा किया था कि सरकार के दबाव में प्रशासन ने हेलीकॉप्टर उतरने की अनुमति नहीं दी। हालांकि, जिला प्रशासन ने इस आरोप का खंडन करते हुए पत्र जारी किया और स्पष्ट किया कि अनुमति कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह के नाम से मांगी गई थी, न कि मुकेश सहनी के लिए।

कल्याणपुर मे मुद्दे की लड़ाई, बीजेपी- राजद आमने -सामने

सागर सूरज

सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के 2025 के चुनाव में जातीय समीकरण और प्रमुख पार्टियों — जनसुराज, राजद और भाजपा — की भूमिका निर्णायक रहेगी। यह सीट पर अनुसूचित जाति (SC) प्रमुख वोटर आधार हैं, साथ ही मुस्लिम और अन्य पिछड़े वर्गों की भी महत्वपूर्ण मौजूदगी है। इस प्रकार, जातीय समीकरण चुनाव का आधार बनेगा। पिछले चुनावों में यह सीट बेहद प्रतिस्पर्धात्मक रही है। 2020 में राजद के मनोज कुमार यादव ने भाजपा के सचिंद्र प्रसाद सिंह को कम वोटों के अंतर से हराया था। वहीं, 2015 में इस सीट पर भाजपा ने मजबूत जीत दर्ज की थी। इस बार राजद के मनोज यादव को अशोक यादव निर्दलीय और चाँद मियां खेल ख़राब करते नजर आ रहे है. जनसुराज के प्रत्याशी अपनी जाती मल्लाह का वोट भी काट रहे है साथ ही भाजपा के कुछ पॉकेट वोट भी जनसुराज काटते दिख रहे है. इन वोट के विखराव मे मनोज यादव खासे नुक्सान मे दिख रहे है। भाजपा के सचिन्द्र प्रसाद सिंह का एक अश्लील वीडियो वायरल हुआ था। जिसे बाद मे भाजपाईयों ने एआई क्रिएटेड वीडियो होने की बात कह कर अपना पल्ला झाड़ लिया था। अब यह वायरल वीडियो ना तो मुद्दे मे शामिल है और ना ही इसकी कोई चर्चा होती है ऐसे मे लड़ाई भाजपा राजद के बीच आकर ठहर गयी है। हालांकि, विधानसभा स्तर पर पार्टी समीकरण अक्सर बदलते रहे हैं, जिससे चुनाव का दायरा और अधिक गतिशील हो गया है। 2025 के चुनाव में जनसुराज पार्टी ने डॉ. मंतोष कुमार सहनी को कल्याणपुर से उम्मीदवार बनाया है। डॉ. सहनी पूर्व में जदयू के अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं और क्षेत्र में चिकित्सक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उन्हें अपार पहचान मिली है। जनसुराज पार्टी सामाजिक न्याय और विकास के मुद्दों को लेकर अनुसूचित जाती, पिछड़ा और मुस्लिम समुदायों से समर्थन पाने का प्रयास कर रही है, जो उन्हें इस चुनाव में मजबूत मौका दे सकता है। राजद का प्रदर्शन पिछले चुनावों में प्रभावशाली रहा है, विशेषकर अनुसूचित जाती और मुस्लिम मतदाताओं के बीच। भाजपा हालांकि लोकसभा स्तर पर मजबूत है, लेकिन विधानसभा स्तर पर विशिष्ट सीटों पर चुनौतियों का सामना कर रही है। इस बार जनसुराज पार्टी एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर रही है, जो पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। जातीय समीकरण और दलों की भूमिका इस चुनाव के अहम पहलू हैं। अनुसूचित जाती मतदाता इस सीट का बड़ा हिस्सा हैं, जिनका रुझान जनसुराज, राजद या भाजपा किसी भी पक्ष में जा सकता है। साथ ही मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग का समर्थन यदि जनसुराज और राजद को मिलता है, तो यह भाजपा के लिए चुनौती होगी। जनसुराज पार्टी की नई रणनीति और डॉ. मंतोष कुमार सहनी की लोकप्रियता इस क्षेत्र में उनकी संभावनाओं को बढ़ा रही हैं।कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र में 2025 का चुनाव जातीय समीकरण के साथ-साथ जनसुराज की नई पार्टी की भूमिका, राजद की परंपरागत ताकत, और भाजपा की लोकसभा के बाद विधानसभा में चुनौतियों का समिश्रण रहा है। यह चुनाव राजनीतिक दृष्टि से रोचक और निर्णायक साबित होगा, जिसमें हर पार्टी को अपने गठबंधन और वोट बैंक को मजबूत करने की जरूरत है। अगर वीजेपी प्रत्याशी का कथित वायरल वीडियो मुद्दे मे शामिल रहा तो यह भाजपा के लिए महँगा हो सकता है

बिहार विधानसभा चुनाव के अंतर्गत मोतिहारी में दिनांक 11 नवंबर 2025 को होगा मतदान

बीएनएम @ मोतिहारी

डाक अधीक्षक डॉ. आशुतोष आदित्य ने बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने हेतु डाक विभाग ने भी विशेष पहल की है। इस पहल के अंतर्गत डाकिया पत्र वितरण के समय प्राप्तकर्ताओं को मतदान के लिए जागरुक कर रहे हैं। डाकिया अपने साथ लोगों को स्लोगन दिखाकर उत्साहित कर रहे हैं दूसरी ओर पत्र पर स्टैंप लगाकर कि लोकतंत्र का करें सम्मान 11 नवंबर 2025 को करें मतदान से जागरुक कर रहे हैं। डाक विभाग की ओर से मतदाता जागरूकता अभियान की मॉनिटरिंग कल्याण कमलेश डाक निरीक्षक कर रहे हैं। डाक विभाग की इस पहल की काफी सराहना हो रही है।

गोविंदगंज में एबीवीपी का चुनावी ज्वालाः 'सुंदर बिहार' के संकल्प संग शत-प्रतिशत मतदान का लक्ष्य

नारा बुलंदः NOTA को 'ना', मतदान को 'हाँ' – हर वोट बनाएगा बिहार का उज्ज्वल भविष्य

बीएनएम @ अरेराज

2025 के बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र में मतदाता जागरूकता का शंखनाद कर दिया है। इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य 11 नवंबर 2025 को होने वाले मतदान (दूसरे चरण) में हर मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करना है। परिषद का यह प्रयास केवल मतदान के प्रति प्रेरणा तक सीमित नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जागरूकता की दिशा में एक सार्थक कदम है। एबीवीपी 'Say No to NOTA' और 'Vote for Bihar' जैसे संदेशों के माध्यम से मतदाताओं को यह समझाने में जुटी है कि राज्य की दिशा और दशा उनके एक-एक मत से तय होती है। परिषद का मानना है कि बिहार का असली योगदान तभी संभव है जब हर नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बनाए। इस अभियान में एबीवीपी के कार्यकर्ता – आशु पांडेय, दीपक कुमार, सतीश पटेल, शशि कुमार, मनीष कुमार, प्रिंस कुमार और मंजीत कुमार – की टीम ने नेतृत्व करते हुए क्षेत्र में घर-घर जाकर संवाद स्थापित किया। उन्होंने मतदाताओं को बताया कि NOTA का प्रयोग न करना ही उनके मत का सच्चा उपयोग है, क्योंकि हर वोट राज्य के भविष्य की नींव रखता है। एबीवीपी का विशेष फोकस युवाओं और नए मतदाताओं पर है। संगठन उन्हें जाति और धर्म से ऊपर उठकर विवेकपूर्ण मतदान करने का संदेश दे रहा है। "मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का पवित्र कर्तव्य है" – यही इस अभियान का मूलमंत्र है। पोस्टरों पर झलकते जोश से भरे युवा और हाथों में तिरंगा लिए कार्यकर्ताओं की उत्साहित भीड़ इस मुहिम की सफलता का प्रमाण बन चुकी है। अंत में, कार्यकर्ताओं ने समस्त मतदाताओं से अपील की कि वे 11 नवंबर को हर हाल में मतदान केंद्र पहुँचकर लोकतंत्र के इस उत्सव में भाग लें और 'सुंदर बिहार' के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

20 साल की एनडीए सरकार ने बिहार को दिया बेरोजगारी और पलायनः खेसारी लाल यादव

बीएनएम @ मोतिहारी/तुरकौलिया

हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र के सेमराटोला स्टेडियम में मंगलवार को भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव ने महागठबंधन के राजद प्रत्याशी राजेन्द्र कुमार राम के समर्थन में आयोजित जनसभा में एनडीए सरकार पर तीखा प्रहार किया। भारी भीड़ के बीच खेसारी ने कहा कि "बिहार में इनकी सरकार को 20 वर्ष पूरे हो गए, लेकिन आज तक न कोई फैक्ट्री लगी, न बेहतर अस्पताल बने, और न ही युवाओं को रोजगार मिला। जब विकास की बात होती है, तो सरकार के पास कोई ठोस जवाब नहीं होता।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा, "ग्यारह साल पहले मोदी जी ने कहा था कि हर नागरिक के खाते में 15 लाख रुपये आएंगे, लेकिन जनता को मिला क्या? वादे तो बहुत किए, पर पूरे नहीं हुए।" खेसारी ने कहा कि "20 साल वाले जंगलराज की बात छोड़िए, पहले यह बताइए कि आपने इन 20 सालों में जनता के लिए क्या किया।" उन्होंने कहा कि जब वह शिक्षा, रोजगार और अस्पताल की बात करते हैं तो उन्हें "यदव मुल्ला" कहा जाता है, लेकिन यह सच है कि जनता को अब मंदिर-मस्जिद की राजनीति नहीं, बल्कि रोजगार और विकास चाहिए। खेसारी ने कहा, "तेजस्वी यादव रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा की बात करते हैं। इसलिए अबकी बार बिहार में बदलाव की लहर चल रही है।" उन्होंने आगे कहा कि "मंदिर भी जरूरी है, लेकिन पलायन रोकना और रोजगार देना उससे भी बड़ा मुद्दा है। जो रोजगार की बात करता है, उसे ये लोग सनातन विरोधी कहते हैं। जनता अब इनके झांसे में नहीं आने वाली।" सभा में मौजूद राजद प्रत्याशी राजेन्द्र कुमार राम ने कहा कि "हरसिद्धि की जनता इस बार बदलाव के मूड में है। हमें क्षेत्र में अभूतपूर्व समर्थन मिल रहा है। महागठबंधन की सरकार बनते ही हर पंचायत में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा ताकि पलायन रुके और गांव आत्मनिर्भर बनें।" उन्होंने कहा कि "तेजस्वी यादव युवाओं की आवाज हैं और हम सबको मिलकर उनके हाथों को मजबूत करना है।" साथ ही उन्होंने खेसारी लाल यादव का धन्यवाद करते हुए कहा कि "उनकी उपस्थिति से जनता का उत्साह दोगुना हुआ है और बदलाव की लहर को नई ताकत मिली है।" कार्यक्रम में नागा अर्जुन सिंह कुशवाहा, भोला साह तुरहा, राजदेव यादव, अख्तर हुसैन अंसारी, कमरुज्जमा, उपेन्द्र सहनी, राजकुमार अंजुमन, मंजू देवी, मोहन लाल सहनी, पुनदेव सहनी, अवनीश यादव, चंदन कुशवाहा, विनोद महतो, नवल किशोर साह, इमाम हुसैन, पूर्व मुखिया रामएकबाल महतो, नेशा खातून, अवधेशनारायण यादव, मनीष कुशवाहा, डॉ. खुर्शीद, रजनीश यादव, सोनालाल साह, ईद मोहम्मद देवान, मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप साह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

निर्वाचन कार्य के लिए वाहनों को सुरक्षित रखने की कराई गई है व्यवस्था - शैलेंद्र कुमार भारती

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा में आम निर्वाचन 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर वाहन कोषांग के वरीय पदाधिकारी एडीएम (लोक शिकायत) शैलेंद्र कुमार भारती के द्वारा मोतिहारी के गांधी मैदान में निर्वाचन कार्य के लिए वाहनों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था कराई गई है, जिसका निरीक्षण किया गया। अपर समाहर्ता के द्वारा वहां पर पकड़ी गई गाड़ियों की संख्या की जानकारी प्राप्त की गई और उसके लिए संधारित की जा रही लॉग बुक को देखा गया। वहां कार्य कर रहे कोषांग के कर्मियों को निर्देश दिया कि जो भी वाहन यहां आ रही है, उसका लॉक बुक नियमानुसार खोला जाए, इसमें कहीं कोई चूक नहीं होनी चाहिए। उनके द्वारा यहां पर संचालित जीविका दीदी की रसोई का भी निरीक्षण किया गया। दीदी की रसोई का संचालन कोषांग के माध्यम से पकड़े गए वाहनों के चालक, खलासी एवं अन्य लोगों के भोजन/नाश्ता के लिए कराई गई है। यहां पर खाना का दर जिला प्रशासन के द्वारा निर्धारित किया गया है। अपर समाहर्ता के द्वारा रसोई में काम करने वाली जीविका दीदी को निर्देश दिया गया कि खान की गुणवत्ता पर ध्यान देंगे एवं किसी को कोई परेशानी नहीं हो इस पर विशेष ध्यान देंगे। यहां पर वाहनों की पारदर्शी मॉनिटरिंग के लिए सीसीटीवी कैमरा भी लगाया गया है जिसका भी अपर समाहर्ता के द्वारा निरीक्षण कर जायजा लिया गया।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों ने चुनाव मतगणना कर्मियों (पोस्टल बैलेट और ईवीएम) को किया प्रशिक्षित

अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) एवं जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने किया प्रशिक्षण की गुणवत्ता का लिया जायजा

बीएनएम @ मोतिहारी

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन - 2025 को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उपरांत मतगणना कार्य हेतू जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा स्थानीय सीएस डीएभी पब्लिक स्कूल मोतिहारी के प्रांगण में चल रहे मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण पोस्टल बैलेट मतगणना कमरा संख्या- 01 से 04 तक काउंटिंग असिस्टेंट (पोस्ट बालेट)

कमरा संख्याः- 05 काउंटिंग सुपरवाइजर (पोस्ट बैलेट)

कमरा संख्याः- 33 counting observer (postal ballot)EVM मतगणना कमरा संख्याः- 06 से 16 तक COUNTING ASSISTANT (EVM) केवल महिला मतगणना कर्मी कमरा संख्याः- 17 से 26 तक COUNTING SUPERVISOR (EVM) केवल पुरुष मतगणना **कर्मी कमरा संख्याः-** 27 से 32 तक COUNTING OBSERVER(EVM) में सुचारु रूप से सम्पन्न हुआ। जिले के कुशल एवं योग्य मास्टर ट्रेनरों की संगठित टीम द्वारा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रपत्रों, ईवीएम संचालन से जुड़ी हुई तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। मास्टर ट्रेनरों द्वारा पोस्टल बैलट पेपर की गणना, पोस्टल बैलट के रिजेक्ट करने का आधार, डाक मत पत्र को रिजेक्ट करने का अपर्याप्त आधार, ईटीपीबीएस के प्राप्त मतों की गणना, मतगणना का प्रथम चरण, मतगणना का द्वितीय चरण ,डाक मत पत्र एवं ईटीपीबीएस की गिनती पूरी होने के बाद की प्रक्रिया एवं ईवीएम में दर्ज मतों की गिनती, मतगणना संबंधित विभिन्न प्रकार के बीवीपैट के प्रिंटेड पेपर स्लिप की गणना एवं ई वी एम तथा दूसरी प्रपत्रों की सीलिंग, कंट्रोल यूनिट एवं बीवी पैट की सीलिंग चुनावी मतपत्र प्रपत्र जिसे सील करने की आवश्यकता है। परिणाम की घोषणा चुनाव परिणाम का रिपोर्ट तैयार करके इस प्रकार से संबंधित विभिन्न तथ्यात्मक जानकारी प्रदान की गई। मौके पर जिला प्रशिक्षण प्रबंधन कोषांग के वरीय नोडल अधिकारी सह एडीएम (जिला लोक शिकायत) श शैलेंद्र भारती, नोडल सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी राम जन्म पासवान, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी, वरीय मास्टर ट्रेनर नागेंद्र प्रसाद, रमेश कुमार, कमलेश कुमार सिंह, पूनम कुमारी, प्रणव कुमार, शैलेंद्र मिश्रा, उज्ज्वल नाथ तिवारी, रामेश्वर राम, रानी कुमारी, अंजना कुमारी, रुमित रौशन, अभिनव आनंद, अरुण सिंह इत्यादि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में 'एनडीए की लहर', महागठबंधन का सफाया तयः जेडीयू

बीएनएम @ पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के बाद जेडीयू नेताओं ने दावा किया है कि राज्य में "एनडीए की लहर" चल रही है और जनता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही सरकार पर भरोसा जताया है।जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार की जनता विकास, सुशासन और स्थिरता के पक्ष में वोट कर रही है। उन्होंने कहा, "एनडीए की सरकार ने राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे को लेकर जो काम किए हैं, उसी पर जनता का भरोसा कायम है। इस बार भी लोग काम के आधार पर वोट दे रहे हैं, न कि झूठे वादों पर।"कुशवाहा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि "राहुल गांधी जिन लोगों के साथ गठबंधन में हैं, पहले उनसे पूछें कि उनके शासन के 15 सालों में बिहार की क्या हालत थी। महागठबंधन के पास न तो कोई मुद्दा है, न कोई दृष्टि।"वहीं जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने राजद पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष अब बच्चों को भी राजनीति में घसीट रहा है। उन्होंने समस्तीपुर में एक कार्यक्रम का हवाला देते हुए कहा कि "बच्चों को तुकबंदी के जरिए कट्टा और हिंसा की बातें सिखाई जा रही हैं, जो बेहद निंदनीय है। क्या यह 'शिक्षा का राज' है या 'कट्टा का राज'?"नीरज कुमार ने कहा कि यह हरकतें बताती हैं कि विपक्ष के पास अब कोई रचनात्मक एजेंडा नहीं बचा है। जेडीयू नेताओं का दावा है कि बिहार की जनता इस बार भी नीतीश कुमार और एनडीए पर भरोसा करेगी और "महागठबंधन का सफाया तय" है।

खेसारी ने मनोज तिवारी से गले मिलकर लिया आशीर्वाद

बीएनएम @ पटनाः राजनीतिक रैलियों और बयानबाज़ियों के बीच पटना एयरपोर्ट पर हुई एक अनोखी मुलाक़ात ने सोशल मीडिया पर ध्यान खींच लिया। छपरा से राजद के प्रत्याशी और भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव ने बीजेपी के स्टार प्रचारक मनोज तिवारी से मिलकर उनका पैर छूकर आशीर्वाद लिया और दोनों ने खुलकर गले मिलकर आपसी सम्मान का संदेश दिया।घटनास्थल पर मौजूद कई लोगों ने दोनों कलाकारों की मुहब्बत भरी बातचीत और गले मिलने का वीडियो बनाया जो जल्द ही वायरल हो गया। राजनीतिक विरोधाभासों के बावजूद यह दृश्य प्रशंसकों और आमदर्शकों के बीच तालियों के साथ स्वागत पाना जारी रहा।खेसारी ने बाद में पत्रकारों से कहा कि वे धर्म के खिलाफ नहीं हैं और उन्होंने सार्वजनिक रूप से जय श्रीराम कहा। लेकिन उन्होने प्रश्न भी उठाया कि क्या धर्म मात्र बेरोजगारी और पलायन खत्म कर सकता है। खेसारी ने कहा, "धर्म जरूरी है, पर कर्म और शिक्षा भी उतनी ही जरूरी हैं।" उन्होंने अपने समर्थन का भरोसा व्यक्त करते हुए कहा कि पहले चरण में उन्हें पूरा विश्वास है और कहा, "पहले चरण में हमें 100 में से 100 मिलेंगे।"खेसारी ने तेजस्वी यादव के प्रति अपने लगाव का इज़हार करते हुए कहा कि वे तेजस्वी के छोटे भाई की तरह हैं और हमेशा उनका प्यार मिला है। उन्होंने एनडीए नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे चार दिनों में उन्हें परेशान कर देंगे और कहा कि अगर शिक्षा और रोजगार पर बात करने के कारण किसी को उन्हें नीचा दिखाना पड़े तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं।पटना एयरपोर्ट की यह मुलाकात यह दिखाती है कि चुनावी राजनीति में व्यक्तिगत आदर और पब्लिक इमेज के बीच कभी-कभी बिना किसी शोर-शराबे के भी असाधारण पल बन जाते हैं।

मतदान लोकतंत्र व नागरिक की आन-बान-शानः प्रो. पासवान

बीएनएम @ जमुई। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान मात्र तीन दिन शेष रह गया है। प्रथम चरण के रिकॉर्ड मतदान और बढ़ते वोट प्रतिशत (64.69%) से सभी राजनीतिक दलों का मनोबल बढ़ गया है। सभी अपनी- अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। केकेएम कॉलेज के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष सह भारतीय मतदाता संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. गौरी शंकर पासवान ने नागरिकों से अपील की है कि दूसरे चरण के मतदान में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। क्योंकि मतदान केवल आपका अधिकार ही नहीं, बल्कि महान राष्ट्रीय कर्तव्य भी है।प्रो. (डॉ.) गौरी शंकर पासवान ने कहा कि मतदान लोकतंत्र और नागरिक की आन-बान-शान है। एक-एक मत भविष्य की नींव है। वोट वह ईंट है, जिससे राष्ट्र की दिशा, नीति और शासन की इमारत खड़ी होती है। इसलिए 'मतदान करो निडर बनकर, नेता चुनो सोच समझकर'। मतदान सिर्फ अधिकार ही नहीं, एक सजग और साहसी नागरिक का निर्णय भी है। लोकतंत्र में सही नेता वही है, जिसे विवेक, विकास और जन सेवा के आधार पर चुना जाए। कहते हैं कि 'मतदान चुनाव का महत्वपूर्ण हिस्सा है,अनिवार्य हो मतदान जनमन का किस्सा है'। बढ़ता मतदान प्रतिशत जीवंत लोकतंत्र के लिए जरूरी है तो, गिरता मतदान प्रतिशत जनतंत्र के लिए खतरा। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत में वृद्धि के लिए मतदान को अनिवार्य कर देना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसे देश में अनिवार्य मतदान प्रणाली से वोटिंग प्रतिशत बढ़कर 90% से अधिक हो गया है। शत प्रतिशत मतदान का अर्थ है सर्वजन सहभागिता, हर नागरिक की भूमिका। इससे राजनीतिक जवाबदेही नहीं बढ़ती है। ग्रामीण महिला, जेन जी की भांति, शहरी मतदाताओं का मतदान के प्रति आकर्षण और सहभागिता जरूरी है।

बिहार चुनाव के पहले चरण में 65% से अधिक मतदानः चुनाव आयोग

पहले चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर 6 नवंबर को संपन्न हुई मतदान

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में रिकॉर्ड तोड़ मतदान हुआ है। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम आंकड़ों के अनुसार, पहले चरण में कुल 65.08 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह आंकड़ा 2020 के विधानसभा चुनाव (57.29%) और 2024 के लोकसभा चुनाव (56.28%) दोनों से अधिक है। इस बार मतदान प्रतिशत में क्रमशः 7.79% और 8.8% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पहले चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर 6 नवंबर को वोटिंग संपन्न हुई थी। आयोग के मुताबिक, मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में पूरी हुई। कहीं से भी किसी बड़े व्यवधान या हिंसक घटना की सूचना नहीं मिली।भारत निर्वाचन आयोग की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि पहले चरण से जुड़ी सभी विधानसभा सीटों पर स्क्रूटिनी की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। यह कार्य भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षकों की उपस्थिति में नियमानुसार सम्पन्न हुआ।आयोग के अधिकारियों ने कहा कि इस बार युवा मतदाताओं और पहली बार वोट डालने वालों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है, जिससे मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई। महिलाओं की भागीदारी भी पिछली बार की तुलना में अधिक रही।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह बढ़ी हुई वोटिंग बिहार के राजनीतिक समीकरणों पर निर्णायक असर डाल सकती है। उच्च मतदान प्रतिशत से सत्ता-विरोधी लहर या बदलाव की संभावना को लेकर अटकलें तेज हैं, हालांकि इसका स्पष्ट असर नतीजों में ही दिखेगा।

बिहार के लोग वोट चोरी नहीं, रोजगार और शिक्षा पर जवाब चाहते हैं : पीके

» प्रशांत किशोर का राहुल गांधी पर वार

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच राजनीतिक बयानबाजी ने नया मोड़ ले लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के "वोट चोरी" वाले बयान पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर (PK) ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग "वोट चोरी" नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा और विकास जैसे असली मुद्दों पर जवाब चाहते हैं।प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा, "बिहार में वोट चोरी का मुद्दा न कभी था, न है। आप भाजपा से लड़िए, लेकिन बिहार की जनता को इस बहस में मत घसीटिए। यहां के लोग जानना चाहते हैं कि नौजवानों को रोजगार कब मिलेगा, शिक्षा और स्वास्थ्य की हालत कब सुधरेगी। इसका वोट चोरी से क्या लेना-देना?"पीके ने साफ कहा कि अगर देश के किसी दूसरे हिस्से में वोट चोरी की शिकायतें हैं, तो वहां की संस्थाओं से निपटें या सुप्रीम कोर्ट का रुख करें, लेकिन बिहार के चुनाव को बेवजह विवाद में न लाएं।उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "बिहार के गांवों में कोई यह नहीं कह रहा कि उसका वोट चोरी हो गया। यहां असली चिंता यह है कि नौकरी कब मिलेगी, स्कूलों में शिक्षक कब आएंगे और अस्पतालों में इलाज सही से कब शुरू होगा।"प्रशांत किशोर के इस बयान को राजनीतिक हलकों में राहुल गांधी पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। जन सुराज प्रमुख लगातार बिहार के चुनावी विमर्श को "विकास और सुशासन" पर केंद्रित करने की बात कर रहे हैं, जबकि विपक्ष भाजपा पर ईवीएम से लेकर प्रशासनिक दबाव तक के आरोप लगा रहा है।पीके के इस बयान ने साफ कर दिया कि वे 2025 के बिहार चुनाव को मुद्दों की बजाय "नैरेटिव की जंग" मानते हैं — जहां जनता के असली सवाल, वोट चोरी जैसी बातों पर भारी पड़ते हैं।

जीविका दीदियों ने मतदाताओ को किया जागरूकता

रजौली संगत के प्रांगण में मतदाता जागरूकता अभियान में शामिल जिला स्वीप आईकॉन बल्लू कुमार एवं महिलाएं

बीएनएम @ रजौली

रजौली विधानसभा क्षेत्र में जीविका दीदियों के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जिला स्वीप आइकॉन बुल्लू कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने मतदान के महत्व पर विस्तृत रूप से जानकारी दी और आगामी 11 नवम्बर को होने वाले विधानसभा निर्वाचन में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने की अपील की।बुल्लू कुमार ने कहा कि "मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने का सबसे बड़ा माध्यम है।" उन्होंने जीविका दीदियों से आग्रह किया कि वे गांव-गांव जाकर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करें और यह संदेश दें कि "हर वोट जरूरी है।"अभियान के दौरान जीविका दीदियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं मतदान करेंगी और दूसरों को भी मतदान हेतु प्रेरित करेंगी।जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देशानुसार जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न विभागों के सहयोग से मतदाता जागरूकता अभियान निरंतर संचालित किए जा रहे हैं, ताकि प्रत्येक मतदाता लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सके।

शांभवी चौधरी ने केवल एक बार डाला वोटः डीएम

» दो उंगलियों पर स्याही का रहस्य,पटना डीएम ने दी सफाई

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के बाद लोजपा (रामविलास) सांसद शांभवी चौधरी की एक तस्वीर ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी। तस्वीर में उनके दोनों हाथों की उंगलियों पर मतदान की स्याही के निशान दिखे, जिससे विपक्ष ने उन पर "दोहरी वोटिंग" का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर तस्वीर के वायरल होते ही राजद और कांग्रेस ने चुनाव आयोग से जांच की मांग कर दी।मामले के तूल पकड़ने पर पटना जिला प्रशासन ने स्थिति साफ की। डीएम ऑफिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सांसद शांभवी चौधरी ने सिर्फ एक बार मतदान किया था। बयान के मुताबिक, मतदान कर्मियों से मानवीय भूल हुई थी। पहले गलती से उनके दाहिने हाथ की उंगली पर स्याही लगा दी गई, जबकि नियम के अनुसार बाएं हाथ की उंगली पर निशान लगाया जाना चाहिए था। बाद में पीठासीन अधिकारी के निर्देश पर नियम पालन के तहत बाएं हाथ पर भी स्याही लगाई गई, जिससे दोनों हाथों पर निशान दिखे।डीएम ने इस मामले में किसी भी तरह की "साजिश या दोहरी वोटिंग" की संभावना से इंकार किया और कहा कि "यह केवल भ्रम का परिणाम था।"उन्होंने सोशल मीडिया पर राजद प्रवक्ता कंचना यादव की पोस्ट को कोट करते हुए भी स्पष्टीकरण दिया कि सांसद ने केवल एक बार वोट डाला है, और प्रशासन ने इसकी पुष्टि कर दी है।हालांकि, विपक्ष ने इसे इतनी आसानी से स्वीकार नहीं किया।राजद ने इस घटना को "लोकतंत्र के साथ खिलवाड़" बताया, जबकि कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, "अगर यह मानवीय भूल थी तो चुनाव आयोग को औपचारिक रिपोर्ट जारी करनी चाहिए। पारदर्शिता लोकतंत्र की बुनियाद है।"यह विवाद तब शुरू हुआ जब शांभवी चौधरी ने मतदान के बाद अपने पिता और जदयू नेता अशोक चौधरी के साथ एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। कुछ ही घंटों में यह फोटो वायरल हो गई और विपक्षी दलों ने इसे "फर्जी मतदान" का उदाहरण बताया।अब प्रशासनिक सफाई के बाद मामला शांत होता दिख रहा है, लेकिन इस बहस ने चुनावी माहौल को और गर्मा दिया है।

विपक्ष के आरोपों पर गरजे चिराग, नित्यानंद राय और रूडीः बोले-बिहार में एनडीए की लहर

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद एनडीए खेमे में उत्साह चरम पर है। केंद्रीय मंत्रियों से लेकर स्थानीय नेताओं तक सभी नेताओं ने दावा किया है कि जनता ने विकास, स्थिरता और सुशासन के पक्ष में मतदान किया है।केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि पहले चरण का मतदान इस बात का संकेत है कि बिहार की जनता अब "जंगलराज और परिवारवाद" से मुक्त होकर एक नए, विकसित बिहार की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा, "जिन लोगों ने कभी वोट चोरी कर बाबासाहेब अंबेडकर को सदन में जाने से रोका था, वही आज वोट चोरी का शोर मचा रहे हैं। ये वही घमंडिया गठबंधन है, जिसने बिहार की मतदाता सूची में घुसपैठियों और रोहिंग्याओं को शामिल करने की कोशिश की थी।चिराग पासवान, जो एलजेपी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री हैं, ने कहा कि पहले चरण के मतदान ने तस्वीर साफ कर दी है। "अगले हफ्ते जब हम सरकार बना रहे होंगे, तब महागठबंधन को अपने भ्रम से बाहर आना पड़ेगा," उन्होंने कहा। चिराग ने दावा किया कि एनडीए पहले चरण में ही 100 सीटों का आंकड़ा पार कर चुका है। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए चिराग बोले, "वे हार की राजनीति के आदी हो चुके हैं। अगर उन्हें आपत्ति है, तो अदालत जाएं, मीडिया में नाटक क्यों कर रहे हैं?"चिराग ने कहा कि जनता अब महागठबंधन की अराजकता और डर के माहौल को नहीं झेलना चाहती। "अगर गलती से ये सत्ता में लौटे, तो बिहार फिर से डर के दौर में चला जाएगा," उन्होंने कहा।भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि "आधा चुनाव खत्म हो चुका है और आधे में ही यह तय हो गया है कि नीतीश कुमार फिर मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। जनता ने डबल इंजन की सरकार पर भरोसा जताया है।"वहीं, जेडीयू मंत्री मदन सहनी ने कहा कि पहले चरण के मतदान में एनडीए को भारी बढ़त मिली है। "दरभंगा समेत सभी 10 सीटों पर हम मजबूती से आगे हैं। जनता ने नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मॉडल को समर्थन दिया है," उन्होंने कहा।एनडीए नेताओं के बयानों से साफ है कि गठबंधन को पहले चरण के नतीजों से गहरी उम्मीद है। दूसरी ओर, महागठबंधन फिलहाल चुनाव आयोग और प्रशासन पर पक्षपात के आरोप लगाकर अपनी रणनीति तय करने में जुटा है।

झाझा में तेजस्वी यादव ने चुनावी सभा को संबोधित किया

जमुई में जनसभा को संबोधित करते नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव

बीएनएम @जमुई/झाझा

प्रखंड क्षेत्र के छापा तेलियाडीह मैदान में शनिवार को बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रतिपक्ष नेता तेजस्वी यादव ने चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने झाझा विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव के पक्ष में मतदान करने की अपील की। तेजस्वी यादव ने सभा में मौजूद हजारों लोगों के बीच हुंकार भरते हुए कहा कि "अब बिहार में बदलाव जरूरी है"। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने बिहार को बेरोजगारी, महंगाई और पलायन की मार झेलने के लिए छोड़ दिया है। उन्होंने वादा किया कि राज्य में राजद की सरकार बनते ही हर परिवार से एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की योजना लागू की जाएगी। नेता प्रतिपक्ष ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने बिहार के युवाओं से किए वादे पूरे नहीं किए। उन्होंने जनता से अपील की कि इस बार बिहार में नई सोच और नए नेतृत्व को मौका दें ताकि राज्य को विकास की नई दिशा मिल सके। सभा में क्षेत्र के कई राजद कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बिहार की धरती ने हमेशा देश को राह दिखाई, अब फिर वही जिम्मेदारी निभाने का समयः प्रियंका गाँधी

बीएनएम @पूर्वी चंपारण

प्रियंका गांधी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के बीच कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्वी चंपारण में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने बिहार की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि "बिहार की धरती ने हमेशा देश को राह दिखाई है, और आज फिर से वही जिम्मेदारी निभाने का समय आ गया है।"प्रियंका गांधी ने महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह का जिक्र करते हुए कहा, "हम उस कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता हैं जिसे बापू ने रास्ता दिखाया, लेकिन यह मत भूलिए कि बापू को रास्ता दिखाने वाले आपके पूर्वज थे — चंपारण के किसान। उन्होंने अन्याय और शोषण के खिलाफ आवाज उठाई थी। आज देश को फिर उसी साहस और आत्मा की जरूरत है।"जनता से सीधी अपील करते हुए प्रियंका ने कहा कि "जात-पात और धर्म के नाम पर राजनीति करने वालों के झांसे में न आएं", बल्कि अपने वोट का इस्तेमाल राज्य और देश के विकास के लिए करें। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता लोकतंत्र की असली प्रहरी है और यह राज्य हमेशा देश को दिशा देने का काम करता रहा है।कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी की लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था के लिए है जहां हर नागरिक को समान सम्मान और अवसर मिले। "कांग्रेस ने हमेशा किसानों, मजदूरों और युवाओं की आवाज उठाई है। हमारी प्राथमिकता इंसाफ, शिक्षा और रोजगार है, न कि सत्ता की कुर्सी," उन्होंने कहा।पूर्वी चंपारण की इस रैली में प्रियंका गांधी के स्वागत के लिए भारी भीड़ उमड़ी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर उनका समर्थन जताया और प्रदेश में परिवर्तन की उम्मीद दोहराई।

विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत

बीएनएम @ जमुई/झाझा

शुक्रवार की रात्रि थानाक्षेत्र के बैजला गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। उसका शव घर के बगल के ही एक कुआं में मिला। लोगों की नजर कुआं में मिलने के बाद ग्रामीणों ने घटना की जानकारी झाझा थाना को दिया जिसके बाद पुनि क्षेबर राम, ममता प्रकाश दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस के पहुंचने से लोगों ने कुआं से शव बाहर निकाल लिया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और लोगों से पूछताछ किया तो मृतका की पहचान प्रमोद यादव की पत्नी(31वर्षीय) रंजू देवी के रूप में हुई। इधर पुलिस मृतका के पति की तलाश किया लेकिन वह घर छोड़कर फरार पाया गया। घटना की सूचना मृतका के मायका बेलहर थानाक्षेत्र के सरदारा के रहने वाले उसके पिता चहित यादव को दी गई। मौके पर मौजूद मृतका के पिता से पुलिस ने घटना के संदर्भ में पूछताछ किया लेकिन स्पष्ट जानकारी नही मिल सका। इधर पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जमुई भेज कर हर बिंदुओ पर जांच करने में जुट गई है। हालांकि घटना को लेकर अबतक मृतका के परिजनों की ओर से शनिवार की दोपहर तक किसी ने आवेदन नही दिया है। एसएचओ संजय कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनडीए की सरकार विकास की गति को बढ़ा रही है आगे, महागठबंधन में अंतर्कलह की भ्रम - डिप्टी सीएम

बीएनएम @ बगहा

भैरोगंज में चुनावी सभा को यूपी के उपमुख्यमंत्री व मनोज तिवारी ने किया संबोधित

जनसभा को संबोधित करते यूपी के डिप्टी सीएम व सांसद मनोज तिवारी

बगहा विधानसभा क्षेत्र के भैरोगंज हाई स्कूल मैदान में शुक्रवार को एक चुनावी सभा का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा दिल्ली के सांसद, गायक एवं अभिनेता मनोज तिवारी ने भाग लिया। दोनों नेताओं ने प्रदेश की जनता से बगहा विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी राम सिंह के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए महागठबंधन पर जमकर हमला बोला।सभा को संबोधित करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बिहार के लोगों ने मन बना लिया है कि अब बिहार में महागठबंधन की वापसी नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि एनडीए की सरकार ही विकास के मुद्दे पर बिहार को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए की सुशील प्रशासनिक व्यवस्था और विकास योजनाएँ लगातार जनता का विश्वास जीत रही हैं। मौर्य ने यह भी कहा कि महागठबंधन में अंतर्कलह और भ्रम की स्थिति है, जो बिहार के विकास के लिए हानिकारक है।वहीं मनोज तिवारी ने अपने संबोधन में एनडीए को मजबूत बताते हुए कहा कि इस बार गठबंधन 170 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में भूपेंद्र कुशवाहा और चिराग पासवान अलग-अलग थे, लेकिन इस बार दोनों एक साथ हैं, जिससे एनडीए और मजबूत हुआ है। तिवारी ने मंच से अपने लोकप्रिय गीतों के माध्यम से भी भीड़ को आकर्षित किया। उनका गीत "हम बिहारी हैं जी" लोगों ने खूब सराहा। इसी दौरान उनकी पत्नी सुरभि तिवारी ने भी सुर मिलाते हुए जनता से राम सिंह के पक्ष में मतदान की अपील की।मनोज तिवारी ने तेज प्रताप यादव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जो अपने घर को नहीं संभाल पाए, वे बिहार क्या संभालेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि महागठबंधन में लठबंधन की स्थिति बनी हुई है।सभा स्थल पर भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे और कार्यक्रम शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

संपादकीय

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुईं। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं। सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

वैश्विक विमर्श का हिस्सा-क्या कल्याण योजनाएँ जनता की वास्तविक जरूरत हैं या लोकतंत्र में जन-समर्थन जुटाने का हथियार?

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर न्यूयॉर्क शहर, जो अमेरिका की आत्मा और लोकतंत्र की जीवंत प्रयोगशाला कहा जाता है,आज 180 से अधिक देशों केप्रवासियों का घर है।भारतीय, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी,और अफ्रीकी समुदाय यहाँ एक नई सामाजिक पहचान बना चुके हैं।वहाँ ट्रंप विरोधी भारतीय मूल के जोहरानममदानी का मेयर चुना जाना केवल एक स्थानीय राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय प्रवासी प्रभाव, राजनीतिक संस्कृति और विचारधारा के वैश्विक प्रसार का संकेत है।यह जीत अमेरिका में दक्षिण एशियाई समुदाय की नई राजनीतिक परिपक्वता को दर्शाती है।लेकिन इस विजय के साथ एक सवाल गूंज रहा है,क्या ममदानी की जीत भारत के लिए गर्व का विषय है या एक ऐसी चुनौती?यहीं पर प्रश्न उठता है,क्या ममदानी की विचारधारा भारत के हितों के साथ हमेशा मेल खाएगी ममदानी"डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट"हैं,जो कई बार अमेरिकी विदेश नीति पर खुलकर आलोचना करते रहे हैं।उन्होंने फ़िलिस्तीन, कश्मीर, और अल्पसंख्यक अधिकारों पर कई बार भारत की नीतियों की आलोचना की है।यदि वे भविष्य में अपने मेयर पद से ऐसे रुख़ अपनाते हैं जो भारत की नीतियों से असहमत हों, तो यह भारतीय कूटनीति के लिए असहज स्थिति बन सकती है।भारत के लिए यह जरूरी होगा कि वह "भारतीय मूल" और "भारतीय हित" के बीच अंतर को संतुलित रूप से समझे।क्योंकि हर भारतीय मूल का नेता आवश्यक नहीं कि भारत के हितों का प्रतिनिधि हो,वे अपने देश की नीतियों के अनुसार काम करते हैं। दूसरी ओर हमें यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या भारतीय राजनीति का "रेवड़ी मॉडल" अब अमेरिका जैसे लोकतंत्र में भी सफल प्रयोग बन गया है?बीते दो दशकों में अमेरिका में भारतीय मूल के नेताओं का उदय लगातार बढ़ा है।कमला हैरिस उपराष्ट्रपति बनीं, नीरज अंटनी, अजय बंगा और नील कत्याल जैसे नाम अमेरिकी प्रशासन और न्यायिक ढांचे में प्रमुख हुए। लेकिन न्यूयॉर्क जैसे शहर में मेयर पद तक पहुँचना एक अलग ही ऐतिहासिक मुकाम है। ममदानी नें अपने अभियान में "समानता, सामाजिक सुरक्षा,और सबके लिए आवास" जैसे वादों को केंद्रीय मुद्दा बनाया। उन्होंने खुले तौर पर अरब-अफ्रीकी-अमेरिकी और प्रवासी समुदायों के हितों की वकालत की। उनके भाषणों और नीतिगत प्रस्तावों में भारत जैसी सामाजिक समानता की मांग झलकती थी। यही कारण है कि कई अमेरिकी विश्लेषक उन्हें "भारतीय जन कल्याण मॉडल का अमेरिकी अवतार"कह रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह संभावना दर्शा रहा हूं क़िममदानी की जीत के पीछे की सामाजिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि की नजर से देखा जा रहा है,न्यूयॉर्क एक ऐसा शहर है जहाँ जातीय, सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता एक साथ धड़कती है। वहाँ गरीबी और महंगाई से जूझता वर्ग "न्यायपूर्ण समाज" की तलाश में रहता है। ममदानी ने इन्हीं वर्गों को लक्ष्य बनाया उन्होंने कहा कि "सरकार का दायित्व केवल कानून- व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिक कल्याण है।"यह विचार भारतीय लोकतंत्र के उस विमर्श से जुड़ा है जहाँ सामाजिक कल्याण योजनाएँ (रेवड़ियां) गरीबों को राहत देने के साथ राजनीतिक लोकप्रियता का आधार बनती हैं। ममदानी ने इसी रणनीति को अमेरिकी शहरी परिदृश्य में रूपांतरित किया,जैसे फ्री ट्रांसपोर्ट , हाउसिंग सब्सिडी, और हेल्थ कार्ड जैसी योजनाएँ। आलोचकों के अनुसार, यही "रेवड़ी राजनीति" का वैश्विक ट्रांसप्लांट है।

साथियों बात अगर हम "रेवड़ी संस्कृति" का अमेरिकी प्रयोग, एक भारतीय राजनीतिक निर्यात को समझने की करें तो,भारतीय राजनीति में "रेवड़ी संस्कृति" शब्द भारतीय पीएम ने लोकप्रिय किया था, जब उन्होंने मुफ्त सुविधाओं को "राजनीतिक प्रलोभन" कहा। यह शब्द आज राजनीतिक विमर्श का प्रतीक बन चुका है। लेकिन जोहरान ममदानी की राजनीतिक सफलता ने इस मॉडल को एक नया अंतरराष्ट्रीय संदर्भ दे दिया है।उनकी चुनावी रणनीति में फ्री ट्रांजिट पास, न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि, और हाउसिंग क्रेडिट जैसी घोषणाएँ थीं। अमेरिकी मीडिया ने इसे "सोशलिस्ट पॉपुलिज़्म" कहा, जबकि भारतीय सोशल मीडिया ने इसे "भारतीय स्टाइल रेवड़ी पॉलिटिक्स" की जीत बताया।यह सवाल अब वैश्विक विमर्श का हिस्सा बन गया है,क्या कल्याण योजनाएँ जनता की वास्तविक जरूरत हैं या लोकतंत्र में जन-समर्थन जुटाने का हथियार? साथियों बात अगर हम भारत के लिए गर्व चुनौती या राजनीतिक प्रतिबिंब का खतरा? भारत के दृष्टिकोण से देखा जाए तो ममदानी की जीत प्रवासी भारतीयों के प्रभावशाली उदय का प्रतीक है। भारतीय मूल का व्यक्ति अमेरिका के सबसे बड़े शहर का मेयर बने,यह न केवल भारतीय लोकतंत्र की बौद्धिक शक्ति का प्रमाण है, बल्कि प्रवासी समुदाय की एकता और नेतृत्व क्षमता का भी।परंतु इसके भीतर छिपा खतरा यह है कि ममदानी "डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट" हैं,जो कई बार अमेरिकी विदेश नीति पर खुलकर आलोचना करते रहे हैं।उन्होंने फ़िलिस्तीन, कश्मीर, और अल्पसंख्यक अधिकारों पर कई बार भारत की नीतियों की आलोचना की है,भारत का "राजनीतिक फंडा" यानी कल्याण योजनाओं के माध्यम से वोट बैंक बनाना, यदि अमेरिकी प्रणाली में भी स्वीकार्यता पा रहा है, तो यह लोकतंत्र के वैश्विक स्वास्थ्य के लिए चुनौतीपूर्ण संकेत है।जहाँ भारत में "रेवड़ी" शब्द को आलोचना के रूप में देखा जाता है,वहीं ममदानी ने इसे "सामाजिक न्याय" के रूप में पैकेज कर दिया। यह वैचारिक पुनर्परिभाषा भारत के लिए गौरव का भी विषय है कि उसके मॉडल को वैश्विक मंच पर जगह मिली, और चिंता का भी कि क्या लोकतंत्र अब "फ्री गिफ्ट पॉलिटिक्स" की दिशा में जा रहा है? साथियों बात कर हम ममदानी और ट्रंप विचारधारात्मक टकराव की प्रस्तावना को समझने की करें तो,ट्रंप के दौर में अमेरिकी राजनीति ध्रुवीकरण और राष्ट्रवाद की ओर बढ़ी थी। वहीं ममदानी जैसे नेता उस प्रवृत्ति के विरुद्ध खड़े हैं जो सामाजिक न्याय, अल्पसंख्यक अधिकार और प्रवासियों की आवाज़ को मुख्यधारा में लाते हैं।ममदानी की नीतियाँ ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के ठीक उलट हैं। वह "कम्युनिटी फर्स्ट" की बात करते हैं। यह विचारधारा का संघर्ष केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक राजनीति के उस नए दौर को दर्शाता है जहाँ दक्षिण एशियाई सोच और पश्चिमी पूंजीवाद आमने-सामने खड़े हैं।भारत के संदर्भ में, यह स्थिति वैसी ही है जैसे नरेंद्र मोदी की आर्थिक राष्ट्रवाद की नीति के विपरीत, भारतीय राज्यों में समाजवादी मॉडल अपनाने वाले दलों की लोकप्रियता।इस प्रकार, न्यूयॉर्क का चुनाव परिणाम एक वैश्विक वैचारिक मिरर बन गया है। साथियों बात अगर हम डेमोक्रेटिक पार्टीमें नई विचारधारा की बयार को समझने की करें तो, ममदानी का उदय डेमोक्रेटिक पार्टी के अंदर भी एक नई दिशा की ओर संकेत है। एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज और बर्नी सैंडर्स जैसे नेताओं की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने "शहरी समाजवाद"का नया रूप प्रस्तुत किया।उनकी नीतियों में भारतीय मूल के समाजवादी चिंतन का असर स्पष्ट दिखता है,जहाँ सरकारी कल्याण और जनसहभागिता को समान महत्व दिया जाता है। वे कहते हैं, "गरीबी किसी व्यक्ति की असफलता नहीं, बल्कि नीति की असफलता है।"यह कथन भारतीय संविधान की "समाजवादी" मूल भावना से मेल खाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि ममदानी ने भारतीय समाजवाद को अमेरिकी राजनीतिक संदर्भ में पुनर्जीवित किया है।

साथियों बात अगर हम भारतीय मीडिया और जनता कीप्रतिक्रिया को समझने की करें तो,भारत में ममदानी की जीत को लेकर दो प्रकार की प्रतिक्रियाएँ आईं। एक ओर उन्हें भारत की "सॉफ्ट पावर" और "बौद्धिक नेतृत्व" का प्रतीक बताया गया, तो दूसरी ओर आलोचकों ने कहा कि उन्होंने भारतीय राजनीति की "रेवड़ी संस्कृति" को अमेरिका में निर्यात कर दिया।भारतीय सोशल मीडिया पर मीम्स और चर्चाओं में कहा गया कि "अब न्यूयॉर्क भी दिल्ली हो गया।" वहीं कुछ उदारवादी चिंतकों ने इसे "समानता के वैश्वीकरण" का प्रतीक बताया।यह विभाजन स्वयं भारत की वैचारिक विभाजन रेखाओं को प्रतिबिंबित करता है,जहाँ समाजवादी कल्याण और आर्थिक व्यवहारिकता के बीच संतुलन अब भी एक अत्यंत जटिल सवाल है।

जिस प्रकार बिना जल के धान नहीं उगता उसी प्रकार बिना विनय के प्राप्त की गई विद्या फलदायी नहीं होती।

- भगवान महावीर

तर्प से किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँचा जा सकता। मूर्ख लोग तर्प करते हैं, जबकि बुद्धिमान विचार करते हैं। - परमहंस योगानंद

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, मार्ग शीर्ष कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पूर्व तिथि चौथ, रविवासरे, आद्रा नक्षत्र, सिद्ध योगे, वालव करणे, मिथुन की चंद्रमा, तथा रोग विमुक्ता, स्नान मुर्हूत धान्यछेदन मुर्हूत तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, शिक्षक, जिद्दी-हठी, उत्तम प्रकृति का धनी-मानी होगा, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उत्तम व्यापारी होगा।

मेष राशि :- प्रभुत्व वृद्धि, स्त्री-वर्ग से उल्लास, सफलता के साधन अवश्य ही जुटायें।

वृष राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य बनें, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

मिथुन राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यवृत्ति में सुधार अवश्य ही होगा।

कर्क राशि :- व्यवसायिक क्षमता मंद, किसी से धोखा तथा आरोप लग सकता है सावधान रहें।

सिंह राशि :- स्त्री-वर्ग से हर्ष-उल्लास, तनाव, क्लेश व अशांति, सार्थक प्रयोजन बना ही रहेगा।

कन्या राशि :- मानसिक उद्विघ्नता, धन का व्यय होगा, आर्थिक समृद्धि के साधन बनेंगे ध्यान दें।

तुला राशि :- व्यावसायिक क्षमता मंद, भाग्य का सितारा साथ देगा, बिगड़े कार्य बन ही जायेंगे।

वृश्चिक राशि :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, स्त्री से हर्ष, कार्य-व्यावसाय के साधन बनेंगे।

धनु राशि :- व्यवसायिक चिन्तायें रहेंगी, थकावट, बेचैनी बनें, कपट से बचने का प्रयास करें।

मकर राशि :- दैनिक कार्यगति में सुधार, चिन्तायें कम हों, सफलता के साधन अवश्य बनेंगे।

कुंभ राशि :- स्त्री-वर्ग से तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम, उपद्रव अवश्य ही होगा।

मीन राशि :- तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक उद्विघ्नता, स्वभाव में बेचैनी अवश्य बनेगी।

नागरिक स्वतंत्रता की नई परिभाषा, गिरफ्तारी से पहले लिखित कारण बताएं

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक और दूरगामी असर वाला फैसला सुनाते हुए नागरिक स्वतंत्रता के संरक्षण की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की खंडपीठ ने आदेश दिया है, कि किसी भी नागरिक की गिरफ्तारी से पहले जांच अधिकारी द्वारा लिखित रूप में गिरफ्तारी का कारण बताना अनिवार्य होगा। यह आदेश देश के सभी उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों को भेजा गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आम नागरिकों को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का पालन हर स्तर पर किया जा सके। यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 22(1) में निहित सुरक्षा को नई व्याख्या देता है। दरअसल अनुच्छेद 22 नागरिकों को मनमानी गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करता है और कहता है कि किसी भी व्यक्ति को बिना कारण बताए हिरासत में नहीं लिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी का कारण बताना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि यह एक बाध्यकारी संवैधानिक दायित्व है। खंडपीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के कारणों को लिखित रूप में उस व्यक्ति को समझ में आने वाली भाषा में बताया जाना चाहिए। अगर किसी कारणवश लिखित रूप से कारण देना संभव न हो, तो जांच अधिकारी को मौखिक रूप से बताना अनिवार्य होगा ताकि आरोपी मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना पक्ष प्रभावी ढंग से रख सके। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तो ऐसी गिरफ्तारी और उसके बाद दिया गया रिमांड पूरी तरह से अवैध माना जाएगा। ऐसी स्थिति में न्यायाधीश को गिरफ्तार व्यक्ति की तत्काल रिहाई का आदेश देना होगा। यह फैसला पुलिस और न्यायिक तंत्र के बीच जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक मजबूत प्रयास है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी की पुस्तिका में स्पष्ट रूप से यह लिखना होगा कि किन कारणों से गिरफ्तारी की गई और गिरफ्तारी की सूचना संबंधित व्यक्ति के परिवार के किस सदस्य को दी गई। साथ ही, मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आरोपी को उनके सामने पेश किया जाए, तब उसे गिरफ्तारी के कारणों की पूरी जानकारी हो।

यह आदेश न केवल पुलिस की मनमानी पर रोक लगाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। भारत में अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जहाँ लोगों को बिना पर्याप्त कारण या साक्ष्य के हिरासत में ले लिया जाता है। कई बार गिरफ्तारी एक राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव का परिणाम होती है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय ऐसे सभी दुरुपयोगों के खिलाफ एक स्पष्ट चेतावनी है। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के पूर्ववर्ती फैसलों की श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। डीके बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य (1997) मामले में कोर्ट ने गिरफ्तारी और पूछताछ के दौरान मानवाधिकारों की रक्षा के लिए 11 दिशानिर्देश जारी किए थे। अब यह नया निर्णय उन दिशानिर्देशों को संवैधानिक रूप से और अधिक दृढ़ करता है। यह नागरिक स्वतंत्रता को व्यवहारिक धरातल पर लागू करने की दिशा में एक और ठोस कदम है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में, जहाँ संविधान व्यक्ति की गरिमा को सर्वोच्च मान्यता देता है, वहाँ इस आदेश का न केवल कानूनी, बल्कि नैतिक और सामाजिक महत्व भी अत्याधिक है। गिरफ्तारी की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने से जनता का कानून व्यवस्था में विश्वास मजबूत होगा। यह निर्णय पुलिस सुधारों और मानवाधिकारों की बहस को नई दिशा देगा। अब यह जिम्मेदारी राज्य सरकारों और उच्च न्यायालयों की है कि वे सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करें। पुलिस बल को प्रशिक्षित किया जाए ताकि वह गिरफ्तारी की प्रक्रिया को संविधान के अनुरूप अपनाए और हर नागरिक को उसके अधिकारों की पूरी जानकारी दी जा सके। संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता का जीवंत प्रतीक है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उसी भावना को पुनः जीवित करता है, कि राज्य नागरिकों पर शासन करने के लिए नहीं, बल्कि उनकी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए है।

अमीरी में अभिवृद्धि विद्रोह एवं संकट का बड़ा कारण

ललित गर्ग

विश्व अर्थव्यवस्था पर किए गए हालिया अध्ययन विशेषकर जी-20 पैनल की रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि धन और संपत्ति के वितरण में असमानता अब चरम पर पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है। यह स्थिति एक आदर्श विश्व संरचना के लिये भी बड़ी बाधा है। यह ऐसी त्रासद, विद्रोहपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है जिसमें एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता रूकने का नाम नहीं ले रही है, इससे एक बड़ी आबादी में विद्रोह एवं क्रांति के स्वर उभर रहे हैं। सन् 2000 से 2024 के बीच विश्व अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तकनीकी विकास हुआ, उत्पादन बढ़ा और वैश्वीकरण के नाम पर बाजारों का विस्तार हुआ, लेकिन इस विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा। अमीर और अमीर होते गए, गरीब और गरीब। सन 2000 में जहां विश्व की कुल संपत्ति का पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास था, वहीं 2024 तक यह बढ़कर तिरेसठ प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। इसी अवधि में आधी से अधिक आबादी के हिस्से की संपत्ति घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, मानवता की दिशा के संकेत हैं कि हम प्रगति के नाम पर असंतुलन का साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। जो विद्रोह का कारण बन रहा है, हिंसा एवं अलगाव का भी कारण बन रहा है। जी-20 पैनल के अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब अभाव, तंगी एवं जहालत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। ऑक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि देश के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग सतहत्तर प्रतिशत हिस्सा है जबकि निचले साठ प्रतिशत लोगों के हिस्से में मात्र 4.7 प्रतिशत संपत्ति आती है। बीते दशक में अरबपतियों की संख्या दोगुनी हो गई लेकिन मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग की आमदनी स्थिर रही या घटी। एक ओर महानगरों में गगनचुंबी इमारतें, विलासिता और अति उपभोग की चकाचौंध है, तो दूसरी ओर गाँवों और झुग्गियों में रोटी और दवा के लिए संघर्षरत लोग हैं। यही विरोधाभास हमारी विकास यात्रा का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है। निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निर्माताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीबी मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी आश्चर्यकारी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। करीब 25 करोड़ लोगों को गरीब से बाहर लाया गया है। इस साल की शुरुआत में, विश्व बैंक ने भी बताया था कि भारत 2011-12 और 2022-23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। मोदी सरकार के जन-केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने करोडों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है। फिर भी देश में धन-संपत्ति की असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि असंतोष और हिंसा की जड़ है। जब परिश्रमी व्यक्ति को उसका उचित मूल्य नहीं मिलता, जब समाज में अवसर और सम्मान का समान वितरण नहीं होता, तब भीतर आक्रोश और विद्रोह जन्म लेता है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी ने कहा है कि जब पूंजी की आय दर आर्थिक वृद्धि दर से अधिक हो जाती है, तब समाज में असमानता बढ़ती है और लोकतंत्र की जड़ें हिल जाती हैं। आज यही हो रहा है। आर्थिक असंतुलन से सामाजिक असंतुलन उपज रहा है, अविश्वास और द्वेष का वातावरण बन रहा है। कोरोना महामारी ने इस असमानता को और गहरा किया। जब करोड़ों लोग बेरोजगार और निर्धन हो गए, तब कुछ गिने-चुने उद्योगपतियों और कंपनियों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई। इसका अर्थ यह है कि संकट भी अब वर्ग विशेष के लिए अवसर बन गया है। युद्धों, ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई ने गरीब देशों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया। अमीर देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इन संकटों से भी मुनाफा कमाया जबकि विकासशील देशों में भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य की उपलब्धता घटती गई। विकास का अर्थ हमने केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि तक सीमित कर दिया है। समाज में नैतिकता, समानता, सहानुभूति और पर्यावरणीय न्याय जैसे तत्व विकास की परिभाषा से गायब हो गए हैं। अमीर देशों की कंपनियां गरीब देशों के संसाधनों का दोहन करती हैं, और गरीब देशों के श्रमिक उनके उत्पादन का आधार बन जाते हैं। यह एक नया आर्थिक उपनिवेशवाद है, जहां अब सत्ता नहीं, पूंजी शासन करती है। गरीबी उन्मूलन की तस्वीर को केवल संख्याएं ही पूरी तरह नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी स्तर पर गुणात्मक बदलाव भी नजर आना चाहिए, आम जीवनस्तर उन्नत होता हुआ भी दिखना चाहिए। हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति-धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है। यह पहल ही नये भारत, विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित हो सकती है। गरीबी-अमीरी के असंतुलन की स्थिति से निकलने का एक ही मार्ग है-धन का न्यायपूर्ण पुनर्वितरण, समान अवसर और समाजोपयोगी नीति। कर व्यवस्था ऐसी हो जो अमीरों से अधिक कर लेकर गरीबों की शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर को सुदृढ़ करे। अवसरों की समानता तभी संभव है जब शिक्षा और स्वास्थ्य सभी के लिए समान रूप से सुलभ हों। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है ताकि नीति पूंजी के लिए नहीं, नागरिक के लिए बने। परंतु केवल नीतियों से नहीं, दृष्टि से परिवर्तन आएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-"गरीब पापी नहीं, जीवित देवता हैं।

स्वार्थ की राजनीति में राष्ट्रहित की अनदेखी

राघवेन्द्रं शर्मा

भारतीय लोकतंत्र में ऐसे लोगों को कलंक ही कहा जाएगा, जिनके लिए राजनीति ही सब कुछ है। देश की एकता, अखंडता, उसकी सार्वभौमिकता — यह सब कुछ कतिपय स्वार्थी नेताओं के लिए जैसे दोयम दर्जे की बात हो जाती है। ऐसे ही नेताओं में एक नाम लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का भी है।

यूं तो उन्हें विवादित और तथ्यहीन बयानों के लिए पूर्व से ही ख्याति मिली हुई है, लेकिन इस बार उन्होंने सेना के भीतर जात-पांत का खेल खेलकर निकृष्टतम कार्य ही कर डाला। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यहां तक कह डाला कि भारतीय सेना में भी बहुल्यता भले ही दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के लोगों की हो, लेकिन वहां भी आधिपत्य 10% लोगों का ही बना हुआ है। उनके इस बयान की जितनी भी निंदा की जाए, कम है। भारत के एक साधारण नागरिक से भी यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह देश की सेना के बारे में इतने निम्न स्तरीय विचारों का प्रदर्शन करेगा। और फिर राहुल गांधी को तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद मिला हुआ है, इसलिए उन्हें अपने हर बयान को सोच-समझकर देना चाहिए। कम से कम उपरोक्त पद पर बैठे व्यक्ति से इतनी अपेक्षा तो की ही जा सकती है।किंतु जब उनके द्वारा समाज से लेकर सेना तक जातिगत वैमनष्यता पैदा करने वाले बयान दिए जाते हैं, तब आश्चर्य बिल्कुल नहीं होता। क्योंकि उन्हें इसी प्रकार के बयान देने वाले अपरिपक्व व्यक्ति के रूप में पहचाना जाता है। भारतीय सेना को लेकर जहां एक ओर देश का प्रत्येक नागरिक बेहद सम्मानजनक भाव अपने हृदय में रखता है, वहीं राहुल गांधी सदैव ही ऐसे अवसर की तलाश में लगे रहते हैं, जब वह सेना की आलोचना कर सकें और उसका मनोबल गिरा पाएं। यह इसलिए लिखना उचित प्रतीत होता है क्योंकि राहुल गांधी पहले भी भारतीय सेना के सामर्थ्य पर सवाल उठा चुके हैं। जब गलवान घाटी में चीनी सेना को सबक सिखाने पर सारे भारतीय अपनी सेना का महिमा मंडन कर रहे थे, तब राहुल गांधी ने कहा था कि चीन की सेना ने भारत की 2000 किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया। इस पर उनके खिलाफ अदालत में मुकदमा भी चला और राहुल गांधी को अच्छी-खासी फटकार भी लगाई गई। विद्वान न्यायाधीश को उनके बेहद गैर-जिम्मेदाराना बयान पर टिप्पणी करना पड़ गया कि आपको कैसे पता चला कि चीन की सेना ने हमारी 2000 किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है? इस सूचना प्राप्ति का क्या स्त्रोत है आपके पास?राहुल गांधी से यह भी कहा गया कि आप लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं तो फिर सदन में बोला करें ना! सोशल मीडिया पर इस तरह के बयान देने की क्या आवश्यकता है? राहुल गांधी को शर्म आनी चाहिए कि अदालत को यह तक कहना पड़ गया — आपने जो कुछ कहा, वह एक सच्चा हिंदुस्तानी कभी नहीं कह सकता।

इस फटकार के बाद उम्मीद बंधी थी कि अब राहुल गांधी सोच-समझकर बोलेंगे। लेकिन अफसोस, ऐसा कुछ नहीं हुआ। वह लगातार झूठ फैलाते रहे और आम जनता को भ्रमित करने के असफल प्रयासों में लगे रहे।इसी प्रकार का एक झूठ उनके द्वारा यह कहकर फैलाया गया कि सारे चोरों का सरनेम एक ही क्यों होता है? यह मामला भी अदालत की जेरे-नजर हुआ और राहुल गांधी को 2 साल की सजा सुनाई गई, जिसके चलते उनकी लोकसभा सदस्यता भी जाती रही। लेकिन इस सब के बावजूद राहुल गांधी का रवैया जैसे का तैसा ही बना रहा।वे कभी देश में तो कभी विदेश में भारत के खिलाफ बोलते रहे। यहां तक कि दूसरे देशों को भारत के खिलाफ भड़काते और उकसाते भी रहे हैं। उदाहरण के लिए — एक बार उन्होंने विदेशी धरती पर यह तक कह डाला कि भारत में लोकतंत्र खत्म हो चुका है, उसकी रक्षा के लिए आप लोगों को दखल देना चाहिए। उनके इस बयान की भारतीय मीडिया में निंदा तो हुई ही, विदेशी राजनेता और पत्रकार भी उनके राष्ट्र विरोधी बयान को लेकर अचंभित रह गए। लेकिन राहुल गांधी का रवैया जस का तस ही बना रहा। बोलने से पहले और बोलने के बाद कभी न सोचना उनकी स्थाई कार्यशैली की पहचान बन गई है।जैसे एक बार उन्होंने बड़ी आसानी से कह दिया कि गांधी जी की हत्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हाथ था। जब मामला अदालत में पहुंचा और राहुल के सामने यह स्पष्ट हो गया कि वे अपने ही झूठे बयान में बुरी तरह फंस चुके हैं और सजा से दंडित भी हो सकते हैं, तब विद्वान अभिभाषकों की सलाह पर तत्काल हाथ जोड़कर माफी मांग ली।जो व्यक्ति स्वयं को देश के भावी प्रधानमंत्री के रूप में प्रस्तुत करता फिरता हो और इस तरह के आधारहीन बयान देता फिरे, तो फिर अदालती टिप्पणियों और फटकारों के बाद उससे यह उम्मीद बन जाती है कि कम से कम अब तो वह भ्रामक बयानबाज़ी से बाज आ जाएगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर सावरकर पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अंग्रेजों से माफी मांगी। लिहाजा अदालत में पेशी कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं को 21वीं सदी के कौरव कहे जाने पर हरिद्वार की अदालत में पेशी का क्रम बना हुआ है।विदेशी दौरे पर यह कहना कि भारतीय गुरुद्वारों में सिख समाज को पगड़ी पहनने की अनुमति नहीं है — यह सफेद झूठ नहीं तो और क्या है? स्वयं सिख समाज द्वारा उनके इस बे सिर-पैर के बयान को खारिज किया जा चुका है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चोटिल होकर रिटायर हर्ट हुए रिषभ पंत

एजेंसी, बेंगलुरु

बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच मुकाबले में भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज रिषभ पंत चोटिल होकर रिटायर हर्ट हो गए। उन्हें दक्षिण अफ्रीका ए के तेज गेंदबाज त्सेपो मोरेकी की गेंदों से तीन बार चोट लगी, एक बार हेलमेट पर और दो बार शरीर पर — दाहिनी कोहनी और पेट पर। लगातार चोट लगने के बाद पंत को मैदान छोड़ना पड़ा। यह घटना टीम इंडिया के लिए एक चोट की चिंता लेकर आई है, क्योंकि सीनियर टीम को अगले शुक्रवार (14 नवंबर) से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। हालांकि पंत चोट लगने के बाद भी बल्लेबाजी जारी रखना चाहते थे, लेकिन एहतियातन उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। पहली चोट तब लगी जब उन्होंने मोरेकी की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद मिस हो गई और सीधे हेलमेट पर लगी। इसके बाद फिजियो ने कंकशन टेस्ट किया और उन्हें खेलने की अनुमति दी। कुछ ही देर बाद उनकी दाहिनी कोहनी पर गेंद लगी, जिसके लिए पेन-स्प्रे और टेपिंग की गई। तीसरी बार मोरेकी की एक गेंद लंबाई से अंदर की ओर आई और उनके पेट पर लगी, जिसके बाद पंत ने दर्द के कारण 17 रन (22 गेंद) पर पारी छोड़ दी। पंत की जगह ध्रुव जुरेल मैदान पर उतरे और दूसरे सत्र में शानदार अर्धशतक लगाया। रिषभ पंत हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल टेस्ट में पैर की चोट के कारण टीम से बाहर हो गए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें दोबारा टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की दूसरी पारी में 90 रन की पारी खेलकर शानदार वापसी की थी और विकेटकीपिंग में भी सहज नजर आए थे। हालांकि मौजूदा मैच की पहली पारी में वे मोरेकी की शॉर्ट बॉल पर 24 रन बनाकर आउट हुए थे और अब दूसरी पारी में चोट के कारण रिटायर हर्ट हो गए।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान हांगकांग सिक्सेस 2025 के सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी, हांगकांग

टिन क्वॉन्ग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेले जा रहे हांगकांग सिक्सेस 2025 टूर्नामेंट में एक बार फिर रोमांचक और तेज-तर्रार मुकाबले देखने को मिले। इस टूर्नामेंट के दौरान ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने अपने-अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। हालांकि, भारतीय टीम के लिए दिन निराशाजनक रहा। टीम इंडिया को लगातार तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा।

भारत की हार से निराशा- पूल 'सी' के अहम मुकाबले में भारत को कुवैत के खिलाफ जीत की सख्त जरूरत थी, लेकिन टीम 27 रनों से हार गई। कुवैत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107 रन बनाए, जिसके जवाब में भारत 79/6 पर ही सिमट गया। कुवैत के यासिन पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3/23 के आंकड़े दर्ज किए। इस हार के साथ पाकिस्तान और कुवैत क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, जबकि भारत को बाउल स्टेज में जाना पड़ा।

बाउल स्टेज में भी जारी रही भारत की मुश्किलें- यूएई के खिलाफ भारत ने अच्छी शुरुआत की थी। अभिमन्यु मिथुन (16 गेंदों में 50 रन) और दिनेश कार्तिक (14 गेंदों में 42 रन) ने तेज पारियां खेलीं, लेकिन टीम 108 रन का स्कोर बचाने में नाकाम रही। यूएई के खालिद शाह ने 14 गेंदों में 50 रन ठोककर अपनी टीम को चार विकेट से जीत दिला दी। नेपाल के खिलाफ भारत की स्थिति और भी खराब रही। नेपाल ने छह ओवर में 137/0 का विशाल स्कोर बनाया, जबकि भारत मात्र 45/6 पर ढेर हो गया। नेपाल के राशिद खान ने 17 गेंदों में 55 रन बनाए और साथ ही गेंदबाजी में 3/7 के आंकड़े लेकर शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में बनाई जगह- क्वार्टरफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 54 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। बेन मैकडरमॉट (14 गेंदों में 51 रन) और कप्तान एलेक्स रॉस (11 गेंदों में 50 रन) ने आतिशी अर्धशतक जड़े, जबकि क्रिस ग्रीन ने 3/32 लेकर गेंदबाजी में कमाल दिखाया।

दूसरी ओर, पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से मात दी। दक्षिण अफ्रीका ने 102/3 का स्कोर बनाया, जिसे पाकिस्तान ने मात्र 3.5 ओवर में हासिल कर लिया। अब्दुल समद ने केवल 10 गेंदों में ताबड़तोड़ 50 रन ठोककर टीम को शानदार जीत दिलाई।

सेमीफाइनल मुकाबला 9 नवम्बर को- अब 9 नवम्बर को पहला सेमीफाइनल मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा। वहीं, भारत अपना अंतिम बाउल मुकाबला श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा।

ईसीबी ने कूकाबुरा गेंद प्रयोग को किया समाप्त, 2026 से काउंटी चैम्पियनशिप में फिर लौटेगी ड्यूक बॉल

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने काउंटी चैम्पियनशिप में कूकाबुरा गेंद के उपयोग को 2026 सीजन से समाप्त करने का फैसला किया है। यह निर्णय काउंटी क्रिकेट निदेशकों और प्रोफेशनल गेम कमेटी से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के बाद लिया गया है। कूकाबुरा गेंद का प्रयोग तीन साल पहले शुरू किया गया था ताकि काउंटी क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप अपने कौशल विकसित करने का अवसर मिल सके। हालांकि, इस प्रयोग को असफल माना गया क्योंकि इससे मैचों में रोमांच की कमी देखी गई। इस साल ओवल में सरे और डरहम के बीच हुए मुकाबले में मेज़बान टीम ने 820 रन बनाकर पारी घोषित की, जो इस प्रयोग की विफलता का प्रमुख उदाहरण माना गया। ईसीबी के अनुसार, कूकाबुरा गेंद पहली बार 2023 सीजन में दो राउंड के लिए इस्तेमाल की गई थी, जिसके बाद 2024 और 2025 में इसे चार-चार राउंड तक बढ़ाया गया। लेकिन अक्टूबर में हुई बैठक में 18 प्रथम श्रेणी काउंटियों के क्रिकेट निदेशकों ने इस प्रयोग को बंद करने की सिफारिश की। इसके बाद ईसीबी की प्रोफेशनल गेम कमेटी ने इस सप्ताह औपचारिक रूप से इस निर्णय को मंजूरी दे दी। अब 2026 सीजन से काउंटी चैम्पियनशिप के सभी 14 राउंड पारंपरिक हैंड-स्टिच्ड ड्यूक बॉल से खेले जाएंगे, जिससे कूकाबुरा की मशीन से बनी गेंद का प्रयोग समाप्त हो जाएगा।

भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वी.एस. बने देश के 91वें ग्रैंडमास्टर

एजेंसी, रियाद

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वी.एस. ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छठी एशियाई इंडिविजुअल चैम्पियनशिप एक राउंड शेष रहते ही जीत ली है। इस जीत के साथ ही उन्होंने देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया। 21 वर्षीय राहुल, जो पहले एशियाई जूनियर चैम्पियन भी रह चुके हैं, ने वर्ष 2021 में अपना इंटरनेशनल मास्टर खिताब हासिल किया था, जब उन्होंने चौथा और पांचवां आईएम नॉर्म पूरा किया था और 2400 की लाइव रेटिंग को पार किया था। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष नितिन नारंग ने राहुल को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, "राहुल वी. एस. को हार्दिक बधाई, जिन्होंने एशियाई इंडिविजुअल चैम्पियनशिप एक राउंड शेष रहते जीत ली और इसी के साथ भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर बने! भारत का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं और आगे भी अनेक सफलताओं की कामना।" फिलीपींस में आयोजित इस चैम्पियनशिप में राहुल के इस नवीनतम खिताबी प्रदर्शन ने उनके अंतिम जीएम (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म की पुष्टि कर दी, जिससे उन्होंने ग्रैंडमास्टर बनने की सभी आवश्यकताएं पूरी कर लीं। गौरतलब है कि राहुल, दो हफ्तों में भारत के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने हैं। इससे पहले युवा प्रतिभा इलमपार्थी ए. आर. ने 30 अक्टूबर को यह उपलब्धि हासिल की थी।

राइबाकिना ने पेगुला को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में बनाई जगह

एजेंसी, रियाद

कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से मात देकर शुक्रवार को डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। अब फाइनल में राइबाकिना का सामना विश्व नंबर एक आर्यना साबालेंका या अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से होगा। किंग सऊद यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एरिना में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में साबालेंका और अनिसिमोवा आमने-सामने होंगी। यह दोनों खिलाड़ियों के बीच सितंबर में हुए यूएस ओपन फाइनल का रीमैच होगा, जिसमें बेलारूस की साबालेंका ने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर अपना चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। मैच की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन उसके बाद पेगुला ने अपनी लय पकड़ ली और 4-2 की बढ़त बना ली। राइबाकिना को वार्म-अप के दौरान हुई कंधे की चोट से जूझते देखा गया, जिससे उनकी सटीकता पर असर पड़ा। पेगुला ने पहला सेट राइबाकिना की 25वीं अनफोर्स्ड एरर (ग़लती) के चलते 6-4 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में राइबाकिना ने शानदार वापसी की और शुरुआती बढ़त हासिल की। पेगुला ने वापसी की कोशिश की, लेकिन राइबाकिना ने 10वें गेम में जोरदार प्रदर्शन करते हुए सेट 6-4 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक सेट तक खींच दिया। निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन आठवें गेम में पेगुला की फोरहैंड नेट में जाने से राइबाकिना को निर्णायक बढ़त मिली। इसके बाद उन्होंने शांत रहकर अगला गेम जीता और मैच अपने नाम किया। इस जीत के साथ राइबाकिना टूर्नामेंट में अब तक अपराजित बनी हुई हैं और अपने करियर का पहला सीज़न-एंडिंग खिताब जीतने से सिर्फ एक कदम दूर हैं।

व्यापार

विदेशी बिकवाली और वैश्विक अनिश्चितता से सेंसेक्स-निफ्टी में गिरावट रही

मुंबई। भारत का शेयर बाजार 7 नवंबर को समाप्त हुए सप्ताह में लगातार उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन दिखाने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। पिछले सप्ताह गुरुनानक जंयती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार, मिश्रित कॉर्पोरेट परिणाम, विदेशी निवेशकों की निरंतर बिकवाली और अमेरिका के साथ टैरिफ वार्ता में अनिश्चितता ने निवेशकों की सतर्कता बढ़ाई और बाजार को कमजोर किया। सप्ताह की शुरुआत मुनाफावसूली और विदेशी फंडों की निकासी के कारण नकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 261.39 अंक गिरकर 83,677.32 पर खुला, लेकिन दिन के अंत में 83,978.49 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 62.9 अंक गिरकर 25,659.20 पर खुला और 25,763.35 पर बंद हुआ। निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति, दूसरी तिमाही के कमजोर नतीजे और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर सतर्क रहे। सेंसेक्स 55 अंक गिरकर 83,923.48 पर खुला और 519.24 अंक गिरकर 83,459.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 40.95 अंक गिरकर 25,722.40 पर खुला और 25,597.65 पर बंद हुआ। वहीं बुधवार को गुरुनानक जयंती के कारण बाजार बंद रहा। गुरुवार को वैश्विक बाजारों में तेजी और ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी के बावजूद सेंसेक्स 376.89 अंक बढ़कर 83,836.04 पर खुला, लेकिन दिन के अंत में 83,311.01 पर बंद हुआ। निफ्टी 81.5 अंक बढ़कर 25,679.15 पर खुला और 25,509.70 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और वैश्विक कमजोर रुख के कारण शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में सेंसेक्स 631.93 अंक गिरकर 82,679.08 पर खुला और 83,216.28 पर बंद हुआ। निफ्टी 184.55 अंक गिरकर 25,325.15 पर खुला और 25,492.30 पर बंद हुआ।

त्योहारी सीजन में ऑटो सेक्टर की रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने इस साल के त्योहारी सीजन में अब तक की सबसे बड़ी खुदरा बिक्री दर्ज की है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, 42 दिनों के त्योहारी सीजन में कुल बिक्री 21 फीसदी बढ़कर 52,38,401 यूनिट्स रही, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 43,25,632 यूनिट्स था। पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री 23 फीसदी बढ़कर 7,66,918 यूनिट्स पर पहुंची, वहीं टू-व्हीलर्स सेगमेंट में 22 फीसदी की वृद्धि के साथ 40,52,503 यूनिट्स बिकीं। फाडा के एक अधिकारी ने कहा कि यह त्योहारी सीजन भारत के ऑटो रिटेल इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ है। उनके अनुसार, जीएसटी 2.0 से वाहन खरीदना किफायती हुआ, जिससे खासकर मिडिल क्लास उपभोक्ताओं में कॉम्पैक्ट कारों की मांग बढ़ी।

असम को मिला पहला टेक्निकल और वोकेशनल विश्वविद्यालय, वित्त मंत्री ने रखी नींव

गुवाहाटी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को असम के पहले तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर केंद्रित विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। इस विश्वविद्यालय का नाम "शहीद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय" रखा गया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि वित्त मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ गोहपुर में शहीद कनकलता बरुआ स्टेट यूनिवर्सिटी के भूमि पूजन समारोह में भाग लिया। निर्मला सीतारमण ने इसका शिलान्यास भी किया। असम के गोहपुर में शहीद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह विश्वविद्यालय असम के युवाओं को रोजगारमुखी शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सीतारमण शुक्रवार से असम के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन, ड्रोन और नेविगेशन टेक्नोलॉजी, क्वांटम कंप्यूटिंग, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, स्मार्ट सिटीज और स्मार्ट एनवायरनमेंट्स जैसे अत्याधुनिक विषयों पर पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

आईजीएआई पर सामान्य हो रहा उड़ान परिचालनः डायल

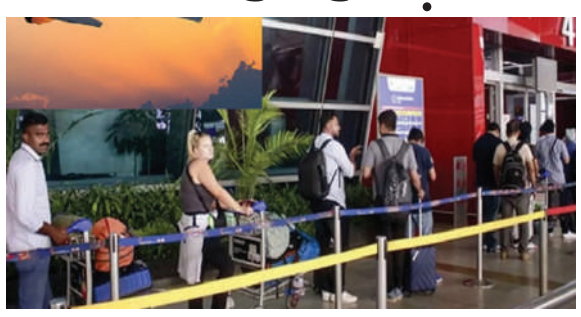

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित देश के सबसे व्यस्ततम एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीएआई) पर विमानों का परिचालन शनिवार सुबह से धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। इससे एक दिन पहले हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में गड़बड़ी के कारण इस एयरपोर्ट पर 800 से अधिक उड़ानों में देरी हुई थी। आईजीएआई एयरपोर्ट की संचालक कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा है कि एएमएसएस को प्रभावित करने वाली तकनीकी समस्या में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। डायल के मुताबिक ''दिल्ली हवाई अड्डे पर विमानों का संचालन अब सामान्य हो रहा है। इससे संबंधित सभी अधिकारी हर प्रकार की असुविधा को कम करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने बताया कि शुक्रवार को 800 से अधिक उड़ानों में देरी के अलावा कुछ सेवाएं रद्द भी कर दी गई हैं जिससे सैकड़ों यात्री प्रभावित हुए। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की तरफ से 11:55 बजे जारी यात्री एडवाइजरी के अनुसार दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी उड़ान परिचालन सामान्य है। जानकारी के मुताबिक हवाई यातायात नियंत्रण की उड़ान योजना प्रक्रिया में सहयोग करने वाले 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में तकनीकी समस्या शुक्रवार सुबह लगभग पौने 6 बजे से 15 घंटे से अधिक समय तक जारी रही। वहीं, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने शुक्रवार रात लगभग नौ बजे जारी बयान में कहा कि समस्या का समाधान कर लिया गया है। इस बीच देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी 'इंडिगो' ने शनिवार सुबह जारी बयान में कहा कि हवाई अड्डा संचालक और वायु यातायात नियंत्रण (एटीसी) के दल प्रणाली को पूरी तरह से बहाल करने और संचालन को स्थिर करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर काम कर रही हैं। उसने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''अगले कुछ घंटों में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। इस दौरान प्रस्थान और आगमन समय में कुछ समायोजन जारी रह सकता है।'' एयरलाइनों की उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडारडॉटकॉम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह हवाई अड्डे पर आगमन और प्रस्थान सहित 200 से अधिक उड़ानों के परिचालन में देरी हुई।

नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, 450 बोरी खाद बरामद और गोदाम सील

बिजनौर। नामी कंपनियों के बोरों में नकली खाद भर कर बेचने वाले एक बड़े गिरोह की फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। सदर एसडीएम रितु चौधरी के नेतृत्व में टीम ने छापा मार कर मौके से 450 से अधिक नकली खाद बोरी , रॉ मटेरियल, खाद के खाली बोरे और पैकिंग के उपकरण बरामद किए हैं। प्रशासन ने फैक्ट्री के गोदाम को सील कर दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। आज शनिवार सुबह प्रशासन को बिजनौर शहर के बाईपास मार्ग पर स्थित कृष्णापुरम के एक मकान में नकली खाद बनाने की सूचना मिली थी। इसी सूचना पर सदर एसडीएम रितु चौधरी कृषि राजस्व विभाग और पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और मकान में छापेमारी की। जहां टीम ने 450 से अधिक नकली खाद की बोरी , रॉ मटेरियल, खाद के खाली बोरे और पैकिंग के उपकरण सहित कई सामान बरामद किए। एसडीएम सदर रितु चौधरी ने बताया कि बरामद खाद के सैंपल ले लिए गए हैं, जिन्हें अग्रिम कार्रवाई के लिए जांच हेतु भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि नकली खाद को एनपीके खाद जैसी नामी कंपनियों के नाम पर छपे बोरों में भरकर बाजार में बेचा जा रहा था। जांच में पता चला कि यह मकान रोहित पुत्र राकेश का है, जिसे हितेश पुत्र जितेंद्र ने किराए पर ले रखा था।

भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए निवेश दर बढ़ाना जरूरीः नीति आयोग सीईओ

मुंबई। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता महीने के अंत तक सफल हो सकती है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में बताया कि वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि जल्द ही इसमें ठोस परिणाम सामने आएंगे। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को 8-9 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखने के लिए अपनी निवेश दर को जीडीपी के 35-36 प्रतिशत तक बढ़ाना होगा, जो वर्तमान में लगभग 30-31 प्रतिशत है। निवेश दर बढ़ाने से देश की आर्थिक वृद्धि में स्थिरता आएगी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी। उन्होंने नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि यह नवंबर तक चालू होगा। मिशन के तहत 15 प्रमुख सेक्टर्स पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और 75 स्थानों पर सेक्टोरल क्लस्टर बनाकर भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग हब बनाया जाएगा। सुब्रह्मण्यम ने मानव पूंजी को आर्थिक विकास का आधार बताया। यदि केवल 1 रुपया निवेश करना हो तो उसे कौशल विकास और शिक्षा पर लगाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में छात्र औसतन 6-7 साल की स्कूली शिक्षा प्राप्त करते हैं, जबकि दक्षिण कोरिया में यह अवधि 13-14 साल है। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर खुली अर्थव्यवस्था बनाए रखना चाहिए।

गुस्से और डर को काबू में रखने थेरेपी ले रही हैं शहनाज

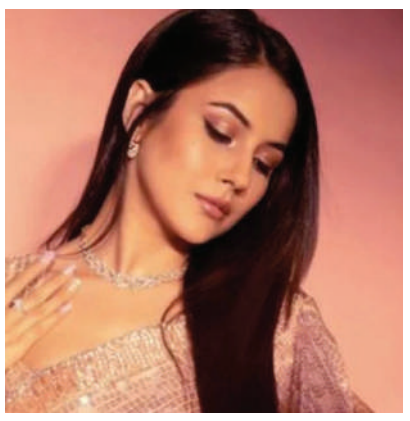

हाल ही में 'बिग बॉस 13' से घर-घर में पहचान बनाने वाली शहनाज गिल ने अपने दिल की बात कही। एक्ट्रेस शहनाज ने खुलासा किया कि वह अपने गुस्से और डर को काबू में रखने के लिए थेरेपी ले रही हैं। उन्होंने कहा, "मेरे पास सब कुछ है नाम, शोहरत, पैसा, लेकिन मन में शांति नहीं है।" इस स्वीकारोक्ति ने यह दिखा दिया कि ग्लैमर की चमक के पीछे भी गहरी भावनात्मक चुनौतियां छिपी होती हैं। अपनी नई पंजाबी फिल्म 'इक्क कुड़ी' के प्रमोशन के दौरान शहनाज ने बताया कि वह कई बार थेरेपी ले चुकी हैं। उन्होंने कहा, "कभी-कभी मैं अपना आपा खो देती हूं। अकेले रहना मुझे डराता है लगता है कि मैं पागल हो जाऊंगी।" शहनाज ने ईमानदारी से कहा कि जीवन में सब कुछ मिलने के बाद भी भीतर का खालीपन खत्म नहीं होता। "कभी-कभी लगता है सब कुछ मिल गया, पर मन नहीं भरता। इंसान काम, रिश्तों और जिम्मेदारियों में इतना उलझ जाता है कि खुद को भूल जाता है," उन्होंने कहा। शहनाज गिल की सफलता की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं रही है। 'बिग बॉस 13' में अपनी मासूमियत और सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी बॉन्डिंग ने उन्हें दर्शकों के दिलों में जगह दी। इसके बाद उन्होंने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान', पंजाबी ब्लॉकबस्टर 'हौसला रख' और 'थैंक यू फॉर कमिंग' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। अब वह अपनी नई फिल्म 'इक्क कुड़ी' में न सिर्फ मुख्य किरदार निभा रही हैं, बल्कि बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़ी हैं। यह फिल्म 31 अक्टूबर को रिलीज़ होगी। शहनाज का कहना है कि सफलता के पीछे हमेशा संघर्ष छिपा होता है। "लोग सोचते हैं कि सब आसान है, लेकिन असली जंग अंदर चलती है। हर दिन खुद को संभालना पड़ता है"।

फिल्मों में डेब्यू के लिए तबू को करना पडा था 8 साल का इंतजार

बॉलीवुड एक्ट्रेस तबू की अदाकारी का असर इतना गहरा होता है कि चाहे वह किसी भावनात्मक दृश्य में हों या किसी तीव्र एक्शन सीक्वेंस में, दर्शकों की नजरें उनसे हटती नहीं। तबू का फिल्मी सफर उतना आसान नहीं था, जितना कि उनके फैंस समझ रहे होंगे। उन्हें अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए पूरे आठ साल तक इंतजार करना पड़ा था। सिर्फ 10 साल की उम्र में तबू ने कैमरे के सामने कदम रखा। उनकी पहली फिल्म 'बाजार' थी, जिसमें उन्होंने एक छोटा सा रोल निभाया। इसके बाद देव आनंद की फिल्म 'हम नौजवान' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में काम किया। अभिनय के प्रति उनका झुकाव बचपन से ही स्पष्ट था। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें पहली पहचान तेलुगु फिल्म 'कुली नंबर 1' से मिली, जिसमें उन्होंने अभिनेता वेंकटेश के साथ अभिनय किया। हालांकि बॉलीवुड में तबू का असली डेब्यू फिल्म 'प्रेम' से होना था, जिसकी शूटिंग साल 1987 में शुरू हुई थी। फिल्म में उनके साथ संजय कपूर मुख्य भूमिका में थे। लेकिन इस फिल्म को रिलीज होने में पूरे आठ साल लग गए और यह 1995 में थिएटर्स तक पहुंच पाई। लंबे इंतजार और तकनीकी देरी के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी, मगर इसने तबू के करियर की नींव मज़बूत कर दी। इसी फिल्म के बाद तबू को धीरे-धीरे पहचान मिलने लगी।

मेनोपॉज विषय पर समाज तोडे चुप्पी: काम्या

मेनोपॉज यानी रजोनिवृत्ति को "पतन नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का चरण" बताते हुए अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने समाज में इस विषय पर व्याप्त चुप्पी को तोड़ने की अपील की है। काम्या अपनी आगामी फिल्म 'मी नो पॉज मी प्ले' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो मेनोपॉज पर आधारित भारत की पहली हिंदी फीचर फिल्म है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए काम्या ने कहा, "मेनोपॉज एक शक्ति है, विराम नहीं। यह वह क्षण है जब एक महिला अपने अस्तित्व के लिए माफी मांगना बंद कर देती है और खुद को स्वीकार करना शुरू करती है।" उनके ये शब्द फिल्म की मूल भावना को दर्शाते हैं, जो महिलाओं के जीवन के एक ऐसे पड़ाव को उजागर करती है, जिसे अब तक पर्दे के पीछे रखा गया था। 'मी नो पॉज मी प्ले', जिसे डिजीफिल्मिंग और मिरर्रो फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है, का उद्देश्य समाज के सबसे पुराने टैबू मेनोपॉज पर खुलकर बात करना है। फिल्म इस प्राकृतिक प्रक्रिया को "अंत" नहीं बल्कि "नई शुरुआत" के रूप में प्रस्तुत करती है। इसमें काम्या पंजाबी के साथ दीपशिखा नागपाल, सुधा चंद्रन, मनोज कुमार शर्मा, एमी मिसोबाह, और अमन वर्मा जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म मेनोपॉज के दौरान महिलाओं द्वारा झेले जाने वाले भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक परिवर्तनों को संवेदनशील तरीके से दर्शाती है। इसमें साहस, आत्म-स्वीकृति और पहचान जैसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जिन्हें बॉलीवुड में अब तक बहुत कम दिखाया गया है। यह प्रोजेक्ट लेखक और निर्माता मनोज कुमार शर्मा की किताब पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन समर के मुखर्जी ने किया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी अकरम खान ने संभाली है। निर्देशक मुखर्जी ने इस फिल्म को "अपने आप में एक आंदोलन" बताया, वहीं निर्माता शर्मा के अनुसार, "यह फिल्म समाज की उस चुप्पी का आईना है, जो महिलाओं के सबसे स्वाभाविक बदलावों को भी अनकहा छोड़ देती है।" काम्या पंजाबी ने आगे कहा, "हमने बचपन से लेकर गर्भावस्था तक हर विषय पर खुलकर बात की है, लेकिन मेनोपॉज पर आज भी लोग असहज हो जाते हैं।

मनोज बाजपेयी की 'द फेमिली मैन 3' का दमदार ट्रेलर रिलीज

मनोज बाजपेयी की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'द फेमिली मैन 3' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है, और इसे देखकर दर्शकों की उत्सुकता चरम पर पहुंच गई है। करीब 2 मिनट 49 सेकंड लंबे इस ट्रेलर में एक बार फिर श्रीकांत तिवारी के रूप में मनोज बाजपेयी अपने पुराने अंदाज में लौटे हैं, लेकिन इस बार हालात और भी ज्यादा गंभीर नजर आ रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत श्रीकांत तिवारी (मनोज बाजपेयी) के अपने बच्चों को अपने पेशे के बारे में बताते हुए होती है, एक पिता की चिंता और एक एजेंट की जिम्मेदारी के बीच झूलता किरदार। लेकिन जल्द ही कहानी एक खतरनाक मोड़ लेती है जब सामने आता है जयदीप अहलावत का किरदार, जो इस सीजन का नया विलेन है। जयदीप के तीखे संवाद और उनकी उपस्थिति ने दर्शकों को तुरंत आकर्षित किया है, और ट्रेलर में वे मनोज पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। सीरीज में निमृत कौर की एंट्री ने उत्सुकता और बढ़ा दी है। उनका किरदार रहस्यमय है, ट्रेलर में उन्हें कम दिखाया गया है, लेकिन हर सीन में उनकी मौजूदगी एक सस्पेंस पैदा करती है। राज और डीके के निर्देशन में बनी यह सीरीज डी2आर फिल्म्स के बैनर तले तैयार की गई है। इसका ग्लोबल प्रीमियर 21 नवंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। पहले दो सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद 'द फैमिली मैन 3' दर्शकों के लिए एक और रोमांचक अनुभव लेकर आने वाली है, जहां एक आम आदमी, जो एक जासूस भी है, देश और परिवार दोनों के बीच अपनी जिम्मेदारियों का संतुलन साधने की कोशिश करता है।

यामी गौतम की 'हक' की पहले दिन की कमाई आई सामने

बीते 7 नवंबर को सिनेमाघरों में तीन फिल्मों की टक्कर हुई, लेकिन यामी गौतम और इमरान हाशमी स्टारर फिल्म 'हक' ने बाकी फिल्मों पर बढ़त बना ली है। दर्शकों और समीक्षकों से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रियाओं के बीच फिल्म ने अपने पहले दिन ही बॉक्स ऑफिस पर मजबूत शुरुआत की है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म 'हक' ने रिलीज़ के पहले दिन लगभग 2.03 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। हालांकि फिल्म का बजट करीब 20 से 25 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, इसलिए इसकी ओपनिंग को धीमी लेकिन स्थिर शुरुआत माना जा रहा है। ट्रेड एनालिस्ट्स का कहना है कि वीकेंड पर फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिल सकता है। 'हक' में यामी गौतम और इमरान हाशमी की जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा है। समीक्षकों ने विशेष रूप से यामी के संवेदनशील और सशक्त प्रदर्शन की प्रशंसा की है। फिल्म के विषय को भी लोगों ने गंभीरता से लिया है क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक और कानूनी मुद्दे पर प्रकाश डालती है। सुपर्ण वर्मा के निर्देशन में बनी 'हक' की कहानी शाह बानो बेगम के जीवन और उनके कानूनी संघर्ष से प्रेरित है। 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने उनके मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, जिसमें तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भरण-पोषण का अधिकार दिया गया था।

साक्षात्कार

मैं उन कहानियों की ओर खिंचती हूं जो भारत की मिट्टी से जुड़ी हों : यामी गौतम

लोकेश चंद्र दुबे

बॉलीवुड की प्रतिभाशाली और संवेदनशील अभिनेत्री यामी गौतम ने अपने करियर की शुरुआत 'विक्की डोनर' से की थी और तभी से वह अपनी सादगी और सशक्त अभिनय के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुकी हैं। 'बदलापुर', 'काबिल' और 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी फिल्मों में उनके किरदारों ने यह साबित किया है कि यामी सिर्फ सुंदरता की प्रतीक नहीं, बल्कि एक सशक्त परफ़ॉर्मर हैं, जो हर भूमिका में गहराई और वास्तविकता भर देती हैं। अब वह एक बार फिर चर्चा में हैं अपनी फिल्म 'हक' को लेकर, जिसमें वह एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं जो सच्चाई और न्याय के लिए संघर्ष करती है। इस खास मौके पर यामी गौतम ने 'हिन्दुस्थान समाचार' को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में अपने किरदार, तैयारी और सिनेमा में महिलाओं के बदलते स्वरूप पर खुलकर बात की।

सवाल- *फिल्म 'हक' शाहबानो केस से जुड़ी है, यह महिलाओं के हक पर क्या संदेश देती है?*

फिल्म एक ऐतिहासिक निर्णय से प्रेरित है, लेकिन यह किसी की जीवनी नहीं है। इसकी कहानी सच्ची घटनाओं और कल्पना का मेल है। शाहबानो की यात्रा ने मुझे गहराई से प्रभावित किया, यह दर्दनाक भी है और प्रेरणादायक भी, क्योंकि इसमें एक महिला की दृढ़ता झलकती है। यह सोचकर हैरानी होती है कि उस मामले को हुए चार दशक बीत चुके हैं, फिर भी हम आज उस पर चर्चा कर रहे हैं, यही उसकी अहमियत दिखाता है। शायद खुद शाहबानो ने भी नहीं सोचा होगा कि उनकी लड़ाई इतना बड़ा प्रतीक बन जाएगी। मैंने इस मामले को उतना ही जाना जितना अखबारों और लेखों से समझा, लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में मेरा प्रयास यही रहा कि मैं अपने किरदार की आत्मा को सच्चाई से महसूस करूं और दर्शकों तक उसकी संवेदना पहुंचा सकूं।

सवाल- *संवेदनशील विषयों पर बनी फिल्मों में काम करते वक्त क्या कभी मन में डर या असमंजस होता है?*

जवाब- एक कलाकार के रूप में मैं किसी भी फिल्म को केवल एक ही दृष्टिकोण से देखती हूं, उसका टोन क्या है? क्या वह विवाद भड़काने के लिए बनी है या सार्थक चर्चा शुरू करने के लिए? दोनों के बीच बहुत बड़ा फर्क होता है। मैं फिल्म इंडस्ट्री में काफी समय से हूं और जैसा कि आप जानते हैं, मैं विवादों के लिए नहीं, बल्कि अपने काम के प्रति ईमानदारी के लिए जानी जाती हूं। मेरा काम है किरदार को सच्चाई से निभाना और फिर शांति से अपने घर लौट जाना। मेरा मानना है कि अगर किसी फिल्म पर बातचीत ही नहीं होती, तो उसका अस्तित्व अधूरा है। ऐसे विषयों पर लोगों की प्रतिक्रियाएं हमेशा दो छोरों पर होती हैं, या तो उन्हें कहानी गहराई से छूती है, या वे उसे पूरी तरह नकार देते हैं। 'औसत' जैसा कुछ नहीं होता। एक कलाकार के तौर पर मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कहानी मुझे भीतर से क्या महसूस कराती है, वही पहला एहसास मेरी असली प्रेरणा बनता है। एक बार जब मैं किसी प्रोजेक्ट के लिए हां कह देती हूं, तो फिर बिना किसी डर या झिझक के पूरी निष्ठा से काम करती हूं। फिल्म का मूल स्वर और संदेश पहले से ही स्क्रिप्ट में तय होता है, बाकी सब उसी का विस्तार है।

सवाल- *फिल्म में उर्दू भाषा के प्रभाव, उसके लहजे और अदब को प्रामाणिक रूप से पेश किया गया, इसके पीछे की तैयारी पर क्या कहना चाहेंगी?*

जवाब- हां, मैंने इस भूमिका से बहुत कुछ सीखा। दरअसल, इस किरदार की तैयारी का पहला कदम था, उर्दू की मिठास, उसकी तहज़ीब और शुद्धता को समझना। हमारे डिक्शन कोच, इंदौर के इदराक सर, ने इस सफर में मुझे बेहद सच्चाई और धैर्य से मार्गदर्शन दिया। हर संवाद में सही ठहराव, नर्मी और भावनात्मक संतुलन बनाए रखना एक चुनौती थी। संवादों को हमने बेहद विस्तार से गढ़ा। कई जगहों पर, वास्तविकता बनाए रखने के लिए हमने जानबूझकर कुछ छोटे उच्चारण-भेद छोड़े, क्योंकि असल ज़िंदगी में भी इंसान की बोली में हल्की अपूर्णता होती है और वही सबसे असली लगती है। मेरे लिए उर्दू सीखना केवल एक भाषा सीखना नहीं था, बल्कि एक पूरी संस्कृति और भावना से जुड़ने जैसा अनुभव था। उर्दू अपने आप में बहुत लयदार और दिल से बोलने वाली भाषा है। इसमें संवाद कहे नहीं जाते, बल्कि महसूस किए जाते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि जब दर्शक फिल्म देखेंगे, तो उन्हें हर शब्द की वह नज़ाकत, हर सुर की वह मिठास और हमारे पूरे प्रयास की आत्मा ज़रूर महसूस होगी।

सवाल- *फिल्म की तरह असल ज़िंदगी में भी क्या आपने कभी अपने हक के लिए आवाज उठाई?*

जवाब- मेरा मानना है कि शब्दों से ज़्यादा असर काम से पड़ता है। इसलिए मैं कोशिश करती हूं कि जब भी मौका मिले, अपने काम के ज़रिए उन बातों को सामने रखूं जिन पर चर्चा ज़रूरी है, क्योंकि असली बदलाव की शुरुआत वहीं से होती है। हाल ही में मैं एक पत्रकार मित्र से इसी विषय पर बात कर रही थी। पहले के ज़माने में अभिनेत्रियां अपनी शादी या बच्चों को छिपाती थीं, क्योंकि माना जाता था कि इससे उनके करियर पर असर पड़ सकता है। आज मैं खुद एक मां हूं, और यह देखकर अच्छा लगता है कि अब लोगों की धारणा नहीं बदलती। यह बदलाव हमारे समाज और इंडस्ट्री दोनों के परिपक्व होने की निशानी है। पहले स्मिता पाटिल और शबाना आजमी जैसी अद्भुत अभिनेत्रियों ने सीमाओं को तोड़ा, और आज कामकाजी मांओं को अपनी रचनात्मकता में किसी रुकावट का सामना नहीं करना पड़ता, यह हमारे समय की एक बड़ी उपलब्धि है।

सवाल- *जब आप कोई स्क्रिप्ट पढ़ती हैं, तो आपके लिए सबसे अहम क्या होता है, कहानी, किरदार या उसका संदेश?*

जवाब- मेरा जवाब बहुत सरल है, कहानी। किसी भी प्रोजेक्ट को चुनने से पहले मैं सबसे पहले यह देखती हूं कि कहानी में क्या मौलिकता है, क्या उसमें कुछ नया कहने की ताकत है। आज के दौर में हमें 'कांतारा' जैसी सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और जड़ से जुड़ी कहानियों की सबसे ज़्यादा ज़रूरत है, ऐसी कहानियां जो भारत की मिट्टी की खुशबू लिए हों, जो हमारे लोकजीवन, परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत को सच्चाई से दर्शाएं। हमारे देश के हर राज्य में लोककथाओं, मान्यताओं और भावनाओं का एक अपना संसार है, और उनमें इंसानी संवेदनाओं के इतने रंग हैं कि हर कहानी एक अनोखी सीख बन जाती है। मुझे ऐसी कहानियों से गहरा लगाव है, क्योंकि मैं खुद हिमाचल की धरती से हूं, जहां प्रकृति, लोककथाएं और अध्यात्म जीवन का हिस्सा हैं। शायद इसी वजह से ऐसी कहानियां मेरे दिल को सीधा छू जाती हैं। मेरे लिए किसी भी प्रोजेक्ट को स्वीकार करने के तीन आधार होते हैं, कहानी, किरदार और निर्देशक। कहानी मेरे भीतर कुछ जगानी चाहिए, भूमिका मुझे एक कलाकार के रूप में नई दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करे, और निर्देशक की दृष्टि उस पूरी यात्रा को अर्थ दे। जब ये तीनों तत्व एक साथ संतुलित रूप में आते हैं, तभी मैं पूरे दिल से उस भूमिका को स्वीकार करती हूं।

सवाल- *महानगरों से गांवों तक महिलाओं की जद्दोजहद, फिल्म के ज़रिए आप क्या सोच जगाना चाहती हैं?*

जवाब- एक कलाकार के रूप में जब मुझसे पूछा जाता है कि 'आप क्या संदेश देना चाहेंगी?', तो सच कहूं तो थोड़ा असमंजस हो जाता है (मुस्कुराते हुए)। क्योंकि मैं खुद को न तो कोई उपदेशक मानती हूं और न ही शिक्षिका। मेरा काम कहानी को सच्चाई और भावनाओं के साथ जीवंत करना है। लेकिन इतना ज़रूर कहूंगी कि जब भी मुझे किसी ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिलता है जो आत्मविश्वास, सम्मान और अधिकार की प्रतीक हो, तो मैं उसे पूरे दिल से अपनाती हूं। मैंने अब तक जो भी भूमिकाएं की हैं, उनमें निडरता मेरी सबसे बड़ी ताकत रही है, और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। 'हक' मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि उस सतत संघर्ष का हिस्सा है जो महिलाओं के अधिकारों और आत्मसम्मान के लिए लड़ी जा रही है। यह एक कलात्मक प्रतीक है, उस जज़्बे का, जो बराबरी और न्याय की बात करता है। अगर आप याद करें, तो 1980 के दशक में 'निकाह" जैसी फिल्मों ने भी यही बहस शुरू की थी। समय बदला है, सोच बदली है, लेकिन आज भी महिलाएं हर स्तर पर नई चुनौतियों से जूझ रही हैं। मेरी यही कामना है कि जब दर्शक इस फिल्म को देखें, तो उनके भीतर कुछ जागे, कोई सवाल, कोई भावना, कोई नई सोच। चाहे महिला हो या पुरुष, हर कोई इस कहानी से सकारात्मकता, संवेदनशीलता और न्याय के प्रति एक नया विश्वास लेकर जाए, यही हमारे प्रयास की सच्ची सफलता होगी।

सवाल- *किसी किरदार की तैयारी के लिए आपका क्या प्रोसेस होता है?*

जवाब- ऐसे किरदार निभाते समय कई नियम होते हैं, लेकिन सबसे अहम है भावनात्मक बुद्धिमत्ता, यानी किसी व्यक्ति की भावनात्मक तरंगों को गहराई से समझना। यह केवल बाहरी तैयारी से नहीं आता, बल्कि शारीरिकता के बाद का सबसे जटिल पहलू होता है। इस फिल्म के लिए मैं उस वास्तविक व्यक्ति से कभी नहीं मिली, लेकिन कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित थी। इसलिए मैंने अपने मन में उसकी एक छवि बनाई, यह सोचते हुए कि 70–80 के दशक में एक महिला को अपने और अपने बच्चों के लिए खड़े होने के लिए कितनी ताकत, कितनी हिम्मत जुटानी पड़ती होगी। उस दौर का दर्द, विश्वासघात, संघर्ष और जिद, मैंने सब कुछ उस किरदार में महसूस करने की कोशिश की। इसके विपरीत, मेरी पिछली फिल्म 'आर्टिकल 370' में सब कुछ अलग था। वहां झानी का किरदार एक प्रशिक्षित अधिकारी का था, शिक्षित, अनुशासित और शारीरिक रूप से सशक्त। उस भूमिका के लिए मुझे घंटों तक हथियार चलाने और तकनीकी प्रशिक्षण लेना पड़ा। मैंने अध्ययन किया, अभ्यास किया, क्योंकि उस किरदार की दुनिया बिल्कुल अलग थी। इस बार की भूमिका पूरी तरह भावनात्मक गहराई पर आधारित थी, इसलिए बॉडी लैंग्वेज का हर इशारा, हर ठहराव बहुत सटीक होना ज़रूरी था। मेरा मानना है कि जब आप किसी किरदार की भावनात्मक संरचना को समझ लेते हैं, तो उसका व्यवहार, उसकी चाल-ढाल अपने आप स्वाभाविक रूप से बहने लगती है।

Curbs on vehicles, staggered timings: What's allowed, what's not as Delhi sees 'very poor' AQI

New Delhi, Agency: The air quality index (AQI) in Delhi has largely remained in the 'very poor category' over the past week, with the government introducing anti-pollution measures to address the deteriorating condition.

The AQI in the national capital on Saturday morning was in the 'very poor' category, with the Delhi's overall air quality index reading at 355 at 8 am, according to data from the Central Pollution Control Board (CPCB).

As of 3 pm on Saturday, Bawana in Delhi had the worst AQI reading at 410, while Dwarka saw relatively clean air, with the air quality at 201. Owing to the consistently poor air quality in the Capital, the government has taken some measures to tackle the pollution.

Ban on entry of non-Delhi BS-III goods vehicles

The entry of all non-Delhi-registered BS-III and below-standard commercial goods vehicles into Delhi has been banned starting November 1, as ordered by the Commission for Air Quality Management (CAQM).

BS refers to Bharat Stage emission standards – the current one being BS-VI or BS-6 – which are government-mandated regulations in India to control emissions from vehicles. The standards imply the maximum amount of pollutants an engine can emit.

The Commission, in a statement, said the move was aimed at reducing vehicular emissions, and addressing the air quality in the Capital and nearby regions.

According to the order,

non-Delhi-registered Light Goods Vehicles (LGVs), Medium Goods Vehicles (MGVs), and Heavy Goods Vehicles (HGVs) not meeting BS-IV standards will not be allowed to enter Delhi.

Change in Delhi govt working hours

Chief Minister Rekha Gupta said that the working hours of the offices of the Delhi government and the Delhi Municipal Corporation were being changed as a precautionary measure.

This has been done to ensure that the pressure of vehicles on the Capital's roads does not increase all at once and is evenly distributed, according to a release.

At present, the timing for Delhi government offices is between 9:30 AM to 6:00 PM, while the Delhi Municipal Corporation operates from 9:00 AM to 5:30 PM. Only a hal-an-hour gap results in heavy traffic and congestion during both morning and evening. CM Gupta said a greater gap between the opening and closing times would lead to decreased number of vehicles on the road.

Meanwhile, Delhi CM Rekha Gupta has also urged people to opt for carpooling and travel with others so as to reduce emissions from their vehciles. The chief minister has also recommended using public transport like metros more frequently.

Gupta has further appealed to private firms to give more preference to work-from-home arrangements given the poor air quality in the Capital.

Parking charges doubled

The New Delhi Municipal Corporation also ordered the doubling of parking fees at sites managed by the civic body across the New Delhi area. The order said that the parking fee "has been enhanced to double the existing fee till the revocation of Stage 2 of Grap."

However, the order clarified that the hike would not be applicable to on-street parking or monthly pass holders.

This hike has been imposed over the past two years in the Capital during the winter season. The revised parking rates now stand at 40 per hour for four-wheelers and 20 per hour for two-wheelers. The rates for buses stand at 300 per hour after the doubling of the fee.

Only eight shelters to accommodate over 90,000 stray dogs in Mumbai

Mumbai, Agency: A day after the Supreme Court directed the relocation of stray canines to designated shelters, Mumbai civic officials on Saturday said there are only eight shelters in the city with over 90,000 stray dogs.

The civic officials have said that in order to implement the court's order, more dog shelters are need to be set up in the city.

The remark comes after the Supreme Court on Friday directed relocation of stray canines to designated shelters after due sterilisation and vaccination.

According to officials, to implement the apex court's order, the city needs to set up more shelters. As per a census conducted by the Brihanmumbai Municipal Corporation 11 years ago, there were at least 95,752 stray dogs in Mumbai, which has now dropped by around 5,000 after the animal birth control (ABC) programme undertaken by BMC since 2014, news agency PTI reported, citing civic officials.

While the current stray dog population in Mumbai stands at 90,600, there are only eight shelters, which have low capacity, since earlier the civic body used to release the dogs after sterilisation, under the old mandate.

Supreme Court on Friday took note of the 'alarming rise' in dog bite cases in institutional areas, railway stations, hospitals, etc, and directed the relocation of stray canines to designated shelters after sterilisation and vaccination.

It said that the frequent incidents of dog bite reflect not only administrative apathy but also "systemic failure" to secure these premises from preventable hazards. Along with this, it also directed the states and Union

Territories to take steps to address the shortcomings highlighted in a report filed by senior advocate Gaurav Agarwal, who is assisting the bench as amicus curiae.

Civic officials noted that the city will first need to enhance its capacity to remove stray dogs and shift them to shelters for the remaining part of their lives. The average lifespan of a dog is between 12 and 15 years.

As per SC directive, the dogs will be sterilised and then shifted to a shelter where a dog handler and veterinarian will be appointed, along with making arrangements for their food and water, a senior BMC official said.

According to the directive, even if 30 to 40 per cent of the stray dogs in Mumbai are removed from public places, "shelters will be required to accommodate around 40,000 such dogs," an official said. Seeing the growth rate of dogs, BMC implemented an animal birth control programme.

Epic fail for woman's robbery bid in Gujarat, slapped 20 times by jeweller after throwing chilli in his eyes

Gujarat, Agency: In a dramatic robbery bid in Gujarat's Ahmed abad, a woman threw chilli powder at the shopkeeper of a jewellery store to carry out the heist. However, shopkeeper's quick reaction foiled the robbery bid as he rained 20 back-to-back slaps on the woman.

The incident that reportedly took place on November 3 was caug in the CCTV installed at the shop. In the video, the woman with her face covered with a dupatta is seen entering the jewellery shop, posing as a customer.

She suddenly throws chilli powder in the shopkeeper's eyes who is seen seated on a chair.

However, she misses the mark and the shopkeeper promptly gets up from the chair to slap the woman in quick succession.

According to NDTV, the shop is located near the Ranip vegetable market in Ahmedabad, and a video of the incident is making rounds on social media.

As the CCTV footage surfaced on social media, netizens tagged Ahmedabad Police and alleged inaction on their part. However, the police said the shopkeeper has refused to get his statement recorded.

"In this case, the complainant was personally met twice to obtain a statement in this regard and was asked to file the complaint, but the complainant businessman is not inclined to lodge any complaint in this matter," the police wrote on X, adding that an investigation has been initiated to search for the accused based on the CCTV footage.

3 NIT Silchar students missing after falling into waterfall in Assam; rescue underway

Silchar, Agency: Three first-year students of the National Institute of Technology (NIT) Silchar went missing on Saturday after reportedly falling into a waterfall in Harangajao village in Assam's Dima Hasao district, police said.

The incident was reported around 2 pm, and a search operation is underway, police added.

According to locals, a group of students had gone to the Boulsol waterfall, about 55 km from the NIT Silchar campus, have been reported in the past; a few years ago, two students of Assam University lost their lives after falling into a waterfall in Cachar district. on Saturday afternoon. One of the girl students allegedly slipped and fell into the

water, and two others fell while trying to rescue her, they said.

Authorities at NIT Silchar confirmed that all three missing persons are students of the institute. have been reported in the past; a few years ago, two students of Assam University lost their lives after falling into a waterfall in Cachar district.The students had gone there for a Saturday outing, an institute official said, requesting anonymity.

The Dean of Students' Welfare, S. S. Dhar, told that they could not yet confirm the identities of the students, but added that a team from the institute was on its way to the site. Our team is on the spot, and State Disaster Response Force (SDRF) teams are arriving from Haflong and Silchar," additional superintendent of police (crime) for Dima Hasao district, Farukh Ahmed, said. The Barak Valley region of Assam and the Dima Hasao district are home to several scenic waterfalls. Similar incidents have been reported in the past; a few years ago, two students of Assam University lost their lives after falling into a waterfall in Cachar district.

Where's the kebab': Unesco honour for Lucknow's food heritage leads to veg non-veg debate

Lucknow, Agency: the capital of Uttar Pradesh, received a major global honour — officially designated a Creative City of Gastronomy by a UN agency — there's been marked celebration of its many foods, but that comes with visible exceptions by vegetarians, including some top leaders.

The announcement by the United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (Unesco) on October 31, 2025, coincided with World Cities Day, during the 43rd Session of its General Conference in Samarkand, Uzbekistan.

"From mouth-watering Galouti Kabab to Awadhi Biryani, delectable Chaat and Golgappe, desserts like

Makhan Malai and so much more — Lucknow in Uttar Pradesh is a haven for food, enriched in centuries-old traditions," Unesco said.

A celebration of Lucknow's centuries-old Awadhi cuisine, other living food traditions, and rich cultural unity, the Unesco nomination highliged iconic dishes.

These included distinct foods from both the vegetarian and meat-based (or 'non-vegetarian') staples.

In his congratulatory message, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath called it a "historic achievement", and credited the "guidance of Prime Minister Narendra Modi" for it.

Calling for social media posts using the trend 'OneDistrictOneCuisine', the Hindu seer-cum-political leader mentioned a series of foods too — sticking to vegetarian ones, though.

He said, "Lucknow's Chaat, Varanasi's Malaiyo, Meerut's Gajak, Banda's Sohan Halwa, Etawah's Mattha ke Aloo (potatoes in spiced buttermilk), Baghpat's Balushahi, Agra's Petha, Mathura's Peda, Moradabad's Dal, Khurja's Khurchan — this 'delicious' list is very long!"

Many users commented to commend the BJP government, but the absence of non-veg dishes among the ones mentioned by the CM sparked a reaction too.

Artist known for Krishna paintings booked over making reel at Guruvayoor temple

New Delhi, Agency: Jasna Salim, an artist known for her paintings of Lord Krishna, has been booked for allegedly filming videos and violating rules inside the Guruvayoor Sree Krishna Temple in Kerala, police said on Saturday.

A case was registered by Guruvayoor temple police on Friday against the artist and a person who runs a social media page after they were accused of making a social media reel at the shrine's Nadapandal (temple foyer) recently, according to a PTI report.

The Kerala High Court banned shooting of vidoes and reels by influencers, who "follow celebrities" in the Nadapandal of Guruvayur Sreekrishna Temple, according to a report by The Hindu. According to police, the case followed a complaint by the temple administrative officer.

Salim was booked under multiple sections of the BNS, and the

investigation is ongoing, the report added.

A devoted follower of Lord Krishna, Jasna Salim has created numerous paintings of the deity as a child and even presented one of her works to Prime Minister Narendra Modi during his visit to Thrissur in 2024.

Earlier this year, she faced police action for allegedly filming a video after placing a garland on a Lord Krishna idol above the offering box at the temple's eastern entrance.